संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 28
पृष्ठ 8
मंगलवार
14 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लड़कियां अनचाहे गर्भ से बचने के...

विचार- वेद,उपनिषद पुराणों दिव्य आलोक...

खेल- 23 साल बाद भारत में वेस्टइंडीज...

एक औपचारिक गतिविधि नहीं जीवन की आवश्यकता : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में सीएम योगी ने कहा, युवक व महिला मंगल दल ग्राम, न्याय व जिला स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन करें। खेल की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकास के नए रास्ते खोलती है। लोक कलाओं, लोक गाथा आदि से जुड़ी प्रतिस्पर्धा भी आयोजित करें। महिला सशक्तिकरण के भी आयोजन करें। इस समय मिशन शक्ति का पांचवां चरण चल रहा है। इससे युवक व महिला मंगल दल जुड़े। महिला मंगल दल अपनी अपनी ग्राम पंचायत में मिशन शक्ति के काम से जुड़ें। विकसित उत्तर प्रदेश के काम से जुड़े। विधानसभा में लंबी 28 घंटे चर्चा हुई। 300 बुद्धिजीवी 1000 संस्थाओं में गए। महापौर, पार्षद, जिला पंचायत सदस्य के साथ 57000 ग्राम प्रधान आदि से संवाद किया। अब तो लगभग 40 लाख सुझाव विकसित उत्तर प्रदेश के लिए मिले हैं। इसकी शुरुआत ग्राम पंचायत से होगी।

ग्राम पंचायत विकसित आत्मनिर्भर होगी तो क्षेत्र पंचायत, जिला, प्रदेश विकसित और आत्मनिर्भर होगा। प्रदेश हुआ तो देश को विकसित होने से कोई रोक नहीं सकता है। पीएम ने जो लक्ष्य दिया है। उसके लिए काम करें। 1.5 लाख युवक व महिला मंगल दल की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज स्पोर्ट्स कीट दी जा रही है। प्रदेश देश के विकास से जुड़े। खेल एक ओपचारिक गतिविधि नहीं जीवन की आवश्यकता बन गई है। स्वावलंबन का भी माध्यम बन रहा है। खिलाड़ियों को डिप्टी एसपी, नायब तहलीदार और अन्य क्षेत्र में नौकरी दी है। 500 खिलाड़ी पुलिस में शामिल किया। कई मेडल जीते हैं। हर ग्राम पंचायत में खेल का मैदान विकसित किया गया है। हर विकास खंड पर एक मिनी, जिला स्तर पर स्टेडियम बने, सरकार इसके लिए काम कर रही है। विधायक, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता हो रही है। 50 विकास खंड में दो करोड़ से युवा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। यूपी का प्रतिभाशाली युवा है। उसे हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सरकार आपके साथ है।

दिल्ली के किशन गंज में सिलेंडर फटने से तीन बच्चों सहित पांच लोग घायल

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तरी दिल्ली के किशन गंज इलाके में सोमवार सुबह एक झुग्गी में रसोई गैस सिलेंडर फटने से तीन बच्चों समेत पांच लोग घायल हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घायलों की पहचान रुखसाना (25), कुनील (10), छोटे (8), अफिया (6) और मोहम्मद जागीर (38) के रूप में हुई है। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया, किशन गंज में प्रताप नगर मेट्रो स्टेशन के पास एक झुग्गी में सिलेंडर फटने की सूचना सुबह करीब साढ़े नौ बजे मिली। दमकल की कई गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। अधिकारियों ने बताया कि सभी पांच घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। उनकी चोटों की गंभीरता का पता लगाया जा रहा है।

नए आपराधिक कानून से 'देरी से न्याय' खत्म

अमित शाह बोले- 2027 तक बड़ा बदलाव

जयपुर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राजस्थान में नए आपराधिक कानूनों पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नए कानून समय पर, सुलभ और सरल न्याय सुनिश्चित करेंगे क्योंकि ये हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली को दंड के बजाय न्याय के आधार पर काम करने के लिए प्रेरित करेंगे। जयपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि भारत की न्यायिक प्रणाली ने न्याय में देरी करने की अपनी एक पहचान बना ली है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नया आपराधिक कानून इसमें बदलाव लाएगा। अमित शाह ने कहा कि हमारी न्यायिक प्रणाली समय पर न्याय न देने के लिए बदनाम हो गई है। मुझे राजस्थान के लोगों को यह विश्वास दिलाते हुए पूरा

विश्वास है कि तीन आपराधिक न्याय कानून समय पर, सुलभ और सरल न्याय सुनिश्चित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने जीवन को आसान बनाने के लिए कई बदलाव किए हैं। लेकिन इन कानूनों के लागू होने के साथ ही न्याय की सुगमता में भी महत्वपूर्ण बदलाव आएगा। शाह ने कहा कि इन कानूनों के माध्यम से हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली दंड के बजाय न्याय से प्रेरित होकर काम करेगी। इसे पूरे देश में प्रभावी ढंग से लागू किया गया है और गृह मंत्रालय सभी राज्यों को सहायता और अनुवर्ती मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। न्याय प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के भाजपा के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने बताया कि 2027 के बाद दर्ज की गई किसी भी प्राथमिकी पर तीन साल के भीतर सर्वोच्च न्यायालय में मुकदमा चलाया जाएगा। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 160 साल पुराने कानूनों को खत्म करने वाले तीन नए कानूनों के तहत, 2027 के बाद भी देशभर में कोई भी एफआईआर दर्ज की जा सकेगी। पूरी व्यवस्था लागू होने में अभी दो साल और लगेंगे। हालाँकि, इस कानून की बदौलत 2027 के बाद दर्ज की गई किसी भी एफआईआर पर तीन साल के भीतर सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा चलाया जा सकेगा। अमित शाह ने आगे बताया कि इन कानूनों के लागू होने के एक साल के भीतर ही राजस्थान में दोषसिद्धि दर में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहले दोषसिद्धि दर केवल 42: थी। तीन नए कानून लागू हुए हैं और अभी केवल एक साल ही हुआ है, फिर भी यह दर बढ़कर 60प्रतिशत हो गई है। जब ये पूरी तरह से लागू हो जाएँगे, तो दोषसिद्धि दर 90प्रतिशत तक पहुँच जाएगी। इन कानूनों में सभी प्रकार के वैज्ञानिक तरीकों का प्रावधान है।

हर नागरिक की सेवा, सुरक्षा और सम्मान करना सरकार का मुख्य उद्देश्य : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में फरियादियों की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को हर मामले का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, विभिन्न जिलों से आये 50 से अधिक फरियादियों ने पुलिस कार्रवाई, बिजली आपूर्ति, वित्तीय सहायता और भूमि विवाद से संबंधित शिकायतें और निवेदन सामने रखे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर फरियादी से बातचीत की। उनके आवेदन प्राप्त किये और अधिकारियों को उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। आदित्यनाथ ने जनता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि यह सिद्धांत उनकी सरकार के गठन के पहले दिन से ही उसका मार्गदर्शन करता रहा है।बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी ने शिकायतकर्ताओं के साथ आए बच्चों से भी बातचीत की, उनके सिर पर हाथ फेरा, उन्हें चॉकलेट और टॉफियाँ दीं और उन्हें खूब पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया।

'माँ, माटी, मानुष' का दावा झूठा! बांसुरी स्वराज बोलीं- ममता के कुशासन से बंगाल में माँ शर्मिंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुर्गापुर में द्वितीय वर्ष की मेडिकल छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने सोमवार को कहा कि यह सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की रूढ़िवादी मानसिकता को दर्शाता है। बयान को असंवेदनशील बताते हुए, स्वराज ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देवी दुर्गा की भूमि माने जाने वाले राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि माँ दुर्गा के बंगाल में महिलाएं असुरक्षित हैं।

राज्य की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बलात्कार पीड़िता को दोषी ठहराकर ऐसी असंवेदनशील टिप्पणी करती हैं। मेरा मानना है कि यह टीएमसी की रूढ़िवादी मानसिकता को दर्शाता है। स्वराज ने बनर्जी से ओडिशा की रहने वाली पीड़िता को न्याय दिलाने और राज्य भर में महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा, ष्मैं ममता बनर्जी से कहना चाहूँगी कि वह न केवल राज्य की मुख्यमंत्री हैं, बल्कि गृह विभाग भी उनके पास है। इसका मतलब है कि आंतरिक सुरक्षा की पूरी ज़िम्मेदारी उनकी है। उन्हें ऐसा माहौल बनाना चाहिए जहाँ लड़कियाँ सुरक्षित महसूस करें और दिन हो या रात, आज़ादी से घूम सकें। मैं उनसे फिर से अनुरोध करना चाहूँगीरू कृपया बलात्कार को सही न ठहराएँ। उस लड़की को न्याय दिलाने की दिशा में काम करें। स्वराज ने आगे कहा कि मैं ममता बनर्जी से पूछना चाहती हूँ, वे 'माँ, माटी, मानुष' के नारे लगाती हैं। लेकिन आपकी असंवेदनशीलता, कुशासन और प्रतिगामी मानसिकता के कारण आज बंगाल में 'माँ' शर्मिंदा है, श्माटीश लहूलुहान है और 'मानुष' बदहाल है। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की सदस्य अर्चना मजूमदार ने एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष रेखा शर्मा के स्वतः संज्ञान लेने के निर्देश के बाद मामले की चल रही जाँच की समीक्षा के लिए दुर्गापुर का दौरा किया। उन्होंने पीड़िता के परिवार, छात्रों और स्थानीय अधिकारियों, जिनमें एसपी और ओसी भी शामिल हैं, से मुलाकात की। उन्होंने एक समाचार एजेंसी को बताया, ष्मेरी अध्यक्ष से बातचीत हुई। उन्होंने मुझे मामले का तुरंत स्वतः संज्ञान लेने, घटनास्थल पर पहुँचने और पीड़िता से मिलने के लिए कहा।

आईआरसीटीसी घोटाला: लालू परिवार पर आरोप तय

कांग्रेस बोली- सरकार विरोधियों को सता रही है

आईआरसीटीसी होटल भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट द्वारा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्रियों लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और उनके बेटे तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोप तय किए जाने के बाद, कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने सोमवार को भाजपा की कड़ी आलोचना की और उस पर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि वे (भाजपा) राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बनाते हैं और यह सब करते हैं... इस देश में सत्ता में बैठी सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों को लगातार परेशान करती है, चाहे वह ईडी, सीबीआई या अदालतों के माध्यम से हो। लेकिन इन सबका बिहार चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा; इसका उल्टा असर होगा। इससे पहले, तेजस्वी यादव ने दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट द्वारा तय किए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि वे इस मामले के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। यहां पत्रकारों से बात करते हुए, यादव ने इसे श्राजनीतिक प्रतिशोधश करार दिया और आगे कहा कि लालू प्रसाद यादव एक ऐतिहासिक रेल मंत्री के रूप में जाने जाते रहे हैं और बिहार और देश की जनता सच्चाई से वाकिफ है। उन्होंने कहा कि हम यह केस लड़ेंगे। हम शुरू से ही कह रहे हैं कि चूंकि चुनाव आ रहे हैं, इसलिए यह सब होगा। हम अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं। हम केस लड़ेंगे... बिहार की जनता समझदार है और उसे पता है कि क्या हो रहा है। यह सब एक राजनीतिक प्रतिशोध है। यादव ने यहां पत्रकारों से कहा कि जिस व्यक्ति ने रेलवे को 90,000 करोड़ रुपये का मुनाफा दिया, जिसने हर बजट में हमेशा किराया कम किया। वह एक ऐतिहासिक रेल मंत्री के रूप में जाने जाते रहे हैं। हार्वर्ड और आईआईएम के छात्र लालू जी से पढ़ने आते थे। वह मैनेजमेंट गुरु के रूप में जाने जाते रहे हैं। बिहार और देश की जनता सच्चाई जानती है। जब तक मैं ज़िंदा हूँ, भाजपा से लड़ता रहूँगा। राउज एवेन्यू कोर्ट ने आईआरसीटीसी होटल भ्रष्टाचार मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आपराधिक साजिश और अन्य अपराधों से संबंधित धाराओं में आरोप तय किए।

ममता बनर्जी ने उत्तर बंगाल में बाढ़ के लिए भूटान को जिम्मेदार ठहराया, मुआवजे की मांग की

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि उत्तर बंगाल में हाल ही में आई बाढ़ भूटान से छोड़े गए पानी के कारण आई है। बनर्जी ने बाढ़ के कारण हुई क्षति और जान–माल की हानि के लिए हिमालयी राज्य से मुआवजे की भी मांग की। एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान दिए गए संक्षिप्त संबोधन में बनर्जी के हवाले से कहा भूटान से आने वाले पानी के कारण हमें नुकसान हुआ है... हम चाहते हैं कि वे हमें मुआवज़ा दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को सभी राहत और पुनर्वास की व्यवस्था करनी है और दावा किया कि केंद्र इसके लिए भुगतान नहीं करता है। मुख्यमंत्री के अनुसार, उनकी सरकार लंबे समय से एक भारत–भूटान नदी आयोग के गठन की मांग कर रही है जिसमें पश्चिम बंगाल को भी सदस्य बनाया जाना चाहिए। बनर्जी ने कहा कि इस मुद्दे पर 16 अक्टूबर को एक बैठक होने की संभावना है और राज्य अपने प्रतिनिधि के रूप में एक अधिकारी भेजेगा।

राहुल गांधी के वोट चोरी वाले आरोपों की नहीं होगी एसआईटी जांच, एस सी ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा कई चुनावों में मतदाता सूची में विसंगतियों के आरोपों की विशेष जाँच दल (एसआईटी) से जाँच कराने की माँग वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) से संपर्क कर सकता है। हालाँकि याचिकाकर्ता ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि शीर्ष चुनाव निकाय ने उसके समक्ष याचिका प्रस्तुत किए जाने के बाद कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर

दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया, कथित तौर पर जनहित में दायर की गई रिट याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा। न्यायालय ने कहा, याचिकाकर्ता उपलब्ध वैकल्पिक उपायों का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र है। लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) गांधी ने कई मौकों पर केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार पर श्वोट चोरीश में लिप्त होने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग मोदी सरकार की मदद कर रहा है, इस आरोप को चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया है और कांग्रेस सांसद से सबूत दिखाने को कहा है। हालांकि, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अपने रुख पर अड़े रहे हैं और उन्होंने ज़ोर देकर कहा है कि 'वोट चोरी' इस समय देश का मुख्य मुद्दा बना हुआ है।

महिला व पुरुष काव्य गोष्ठी के साथ हुआ विशेषांक का लोकार्पण, बही काव्य की रसधार

प्रयागराज। कर्नलगंज स्थित शहर समता विचार मंच के तत्त्वावधान महिला काव्य गोष्ठी के साथ पुरुष काव्य गोष्ठी में पढ़ी गई कविताओं पर आधारित विशेषांक का लोकार्पण हुआ। संपादकीय वाचन शहर समता के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने किया। इसके पूर्व महिला काव्य गोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्षा रचना सक्सेना ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम

की अध्यक्षता शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला, मुख्य आतिथ्य डॉक्टर प्रदीप चित्रांशी, तथा विशिष्ट आतिथ्य डॉक्टर इंदु प्रकाश मिश्र जमदग्निपुरी ने किया। इसके साथ ही काव्य गोष्ठी की शुरुआत नवांकुर विकास, मोहिनी, डाक्टर मंजू प्रकाश, गंगा प्रसाद त्रिपाठी, डॉक्टर शशि जायसवाल, शरत श्रीवास्तव, पं. राकेश मालवीय मुस्कान, रचना सक्सेना, संजय सक्सेना, डॉक्टर वीरेन्द्र कुमार तिवारी, डॉक्टर बृजेश खरे, शिवराम मिश्र मुकुल मतवाला, डॉक्टर प्रदीप चित्रांशी, डॉक्टर इंदु प्रकाश मिश्र जमदाग्निपुरी ने शानदार कविताओं से माहौल को गुंजायमान किया। कार्यक्रम का भावपूर्ण तमाम प्रसंगों के साथ संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने किया।

कांग्रेस ने हिमाचल में मजबूत की अपनी जड़ें, सोनिया गांधी ने वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण

शिमला, एजेंसी। शिमला के रिज मैदान में एक समारोह में, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वीरभद्र सिंह को षहिमाचल की आत्माष बताया और आज की राजनीति में सच्चे नेताओं की कमी पर दुख जताया। उन्होंने रविवार को कहा कि आज देश में वीरभद्र सिंह जैसे सच्चे नेताओं की कमी है। उन्होंने अपना जीवन जनसेवा के लिए समर्पित कर दिया, राजनीति जनता की सेवा का एक माध्यम थी। उन्होंने महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की परंपरा को आगे बढ़ाया, जिनके लिए सत्ता का मतलब ज़िम्मेदारी था। प्रियंका

गांधी ने एनडीए सरकार और भाजपा नेतृत्व पर विभाजनकारी, वोट बैंक की राजनीति करने और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान हिमाचल की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बाढ़ आपदा के दौरान केंद्र सरकार ने हिमाचल को पर्याप्त मदद नहीं दी। उनकी राजनीति जनता के लिए नहीं, बल्कि वोटों के लिए है। कांग्रेस सच्चाई, त्याग और विकास की पक्षधर है और हिमाचल इस विरासत का जीता जागता उदाहरण है। उन्होंने वीरभद्र सिंह की जनोन्मुखी शासन की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री सुखू की प्रशंसा की और कहा, मुझे हिमाचल में अपना घर होने पर गर्व है। यह धरती हमें प्यार और प्रेरणा देती है। उन्होंने आगे कहा। इस बीच, दिवंगत वीरभद्र सिंह के पुत्र विक्रमादित्य सिंह ने शपथ लेते हुए कहा, मैं हिमाचल के लिए अपने पिता के सपनों को पूरा करूँगा। अपने पिता की प्रतिमा के समक्ष खड़े होकर, विक्रमादित्य सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, ष्आज मेरे जीवन का सबसे भावुक क्षण है। यह प्रतिमा केवल पत्थर पर उकेरी गई नहीं है; यह हिमाचल के इतिहास, संस्कृति और यहाँ के लोगों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करती है। मैं इस प्रतिमा के समक्ष अपने पिता के अधूरे सपनों को पूरा करने और हिमाचल को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का संकल्प लेता हूँ।

श्रेष्ठ शिक्षक, श्रेष्ठ समाज का निर्माण करता है

प्रयागराज। बलराम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित सिटीजन गर्ल्स कॉलेज, बलराम नगर ,नैनी के बीएड पाठ्यक्रम में नव प्रवेशित छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम में बोलते हुए काशी हिंदू विश्वविद्यालय, शिक्षा संकाय की प्रोफेसर डॉक्टर सुनीता सिंह ने कहा कि मनुष्य के संज्ञानात्मक, भावात्मक और क्रियात्मक पक्ष का विकास ही शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि बीएड पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को अच्छा शिक्षक और अच्छा मानव बनने में सहायक होता है ।एक श्रेष्ठ मानव ही सुखी परिवार, समृद्ध समाज, उन्नत भारत का निर्माण कर सकता है । नव प्रवेशित प्रशिक्षुओं का टीका लगाकर और वेलकम किट देकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण के द्वारा हुआ।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर मधुलिका सिंह ने स्वागत करते हुए कहा कि प्रशिक्षुओं के लिए यह कार्यक्रम उनके पाठ्यक्रम को समझने और सीखने में सहायक होगा। प्रध्यापिका डॉक्टर अंजुला तिवारी ने महाविद्यालय का परिचय , पाठ्यक्रम तथा शिक्षकों का परिचय प्रस्तुत किया। श्रीमती अंजना गौर ने दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम पर विस्तृत चर्चा की। शालिनी बसेरिया ने बी .एड. पाठ्यक्रम की उपयोगिता पर बात की। महाविद्यालय के अनुशासन एवं नियम को श्रीमती सैमुअल ने बताया था। एचआर मैनेजर शालिनी श्रीवास्तव जी ने छात्राओं से कहा कि आप पूरे मनोयोग से अपने पाठ्यक्रम को पूरा करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्रबंधक श्रीमती उमा सिंह जी ने कहा कि यह महाविद्यालय हमारी नींव है ।अतः प्राध्यापिकाओं के साथ ही छात्राएं भी महाविद्यालय में पढ़कर शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्राप्त करें । बीएड विभागाध्यक्ष उमा लता पटेल जी ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि ऐसे बौद्धिक अतिथि हमें प्रोत्साहित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन अंजलि निषाद ने की। श्री सचिन श्रीवास्तव जी ने पुस्तकालय का परिचय छात्राओं के बीच दिया, साथ में छात्राओं ने साइंस लैब कंप्यूटर लैब का भ्रमण किया। इस कार्यक्रम में फराज अहमद ने मीडिया प्रबंध किया।

आर्यभट्ट सम्मान 2025 का सफल आयोजन,अधिवक्ताओं व मीडिया कर्मियों को किया गया सम्मानित

प्रतापगढ़।क्षेत्रीय ग्राम विकास संस्थान सभागार अफीम की कोठी प्रतापगढ़ में अखिल भारतीय श्री भट्ट ब्राह्मण महासभा के प्रतापगढ़ इकाई भट्ट ब्राह्मण परिवार के तत्वाधान में विशाल आर्यभट्ट विधिक उत्कर्ष सेवा सम्मान 2025 एवं आर्यभट्ट मीडिया स्तम्भ उत्कर्ष सेवा सम्मान 2025 व अन्य दिव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता श्यामलाल शर्मा, मुख्य अतिथि पं० अखिलेश कुमार शर्मा , महासचिव इलाहाबाद बार एसोसिएसन हाई कोर्ट इलाहाबाद विशिष्ठ अतिथि शिव प्रकाश मिश्र सेनानी, अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली, राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता पद्म रंजन भट्ट, वरिष्ठ अधिवक्ता महेन्द्र नाथ शर्मा, अधिक्ता कामता प्रसाद चतुर्वेदी वरिष्ठ लोक अभियोजक रांची ब्रह्मनाथ शर्मा, सिविल जज आजमगढ़ रविकान्त शर्मा, .स्थाई अधिवक्ता योगेशचंद्र भट्ट आदि गणमान्य अधिवक्ताओ ने कार्यक्रम से अपनी गरिमामय उपस्थित दर्ज कराई । मुख्य अतिथि ने अपने उद्घ्बोधन में मीडियाकर्मी को समाज का आईना दिखाने के लिये व लोकतन्त्र की रक्षा के लिये है हमेशा सजग रहने की सराहना की। साथ ही अधिवक्ता समाज को एकजुट होकर समाज के निचले तबके के लिये हमेशा तत्पर होकर विधिक परामर्श व सहयोग प्रदान करने की शपथ ली गई।कार्यक्रम के आयोजन समिति के वरिष्ठ संरक्षक अशोक शर्मा,राजेश शर्मा सीनियर ऑडिटर ,नन्दकुमार शर्मा, के. के. शर्मा, तरुणशर्मा, सुनील शर्मा,मनोज शर्मा, आदि सक्रिय कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।कार्यक्रम का संचालन डा० संजय शर्मा के द्वारा किया गया।

अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन की प्रदेश स्तरीय बैठक गुरुवार को शारदा संगीत महाविद्यालय में

प्रतापगढ। अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन भारत (पंजीकृत) की प्रदेश स्तरीय बैठक 16 अक्टूबर दिन गुरुवार को समय 11रू00 बजे पूर्वाहन, स्थान– शारदा संगीत महाविद्यालय सिनेमा रोड, बाबागंज प्रतापगढ़ में आयोजित की गई है जिसमें संगठन की प्रदेश स्तरीय कार्यों की समीक्षा होने के साथ ही जिम्मेदार लोगों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। वहीं लापरवाह लोगों को पद मुक्त करने की भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ओपी गुप्ता ने बताया कि अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शील गहलौत के दिशानुक्रम में जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक के पदों पर आम सहमति से जिम्मेदार लोगों का चयन कर मनोनयन किया जाएगा। मजबूत मिशन के क्रियान्वयन को लेकर भावी रणनीति भी सुनिश्चित कराई जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रुचि दीक्षित ने जानकारी के क्रम में बताया कि संगठन में अधिक से अधिक महिला पत्रकारों को जोड़ने की पहल राष्ट्रीय अध्यक्ष शील गहलौत के दिशा निर्देश के क्रम में जारी है जिसके लिए हम सब प्रयासरत है। प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशन में पूर्वांचल के कई जिलों के अध्यक्षों का मनोनयन किया गया है जिसकी घोषणा कार्यक्रम में की जाएगी। मंडल अध्यक्ष प्रयागराज मो0 हई खान ने बताया कि प्रयागराज मण्डल के सभी जिलों के पदाधिकारियों का चयन सुनिश्चित हो चुका है।

किशोर पर बालिग की तरह मुकदमा चलाने के लिए आईक्यू और ईक्यू टेस्ट अनिवार्य

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जघन्य अपराधों में किशोर पर बालिग की तरह मुकदमा चलाने के लिए आईक्यू और ईक्यू टेस्ट कराया जाना अनिवार्य है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जघन्य अपराधों में किशोर पर बालिग की तरह मुकदमा चलाने के लिए आईक्यू और ईक्यू टेस्ट कराया जाना अनिवार्य है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किशोर न्याय बोर्ड (जेजे बोर्ड) किसी बच्चे पर बालिग (वयस्क) की तरह मुकदमा चलाने के लिए आंतरिक भावना पर निर्भर नहीं रह सकता। उसका मानसिक–भावनात्मक परिपक्वता का वैज्ञानिक और कठोर मूल्यांकन आवश्यक है।

कोर्ट ने इसके लिए जेजे बोर्ड और बाल न्यायालयों के लिए 11 अनिवार्य दिशानिर्देशों का एक सेट तैयार किया है जिनका पालन तब तक किया जाएगा जब तक कि विधायिका इस संबंध में स्वयं कोई कानून नहीं बना लेती। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ की एकल पीठ ने प्रयागराज निवासी किशोर की याचिका पर दिया है।

जॉर्जटाउन थाने में 2019 में किशोर पर हत्या सहित विभिन्न आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया था। अपराध के समय किशोर की उम्र 17 साल छह महीने 27 दिन थी। जेजे बोर्ड

ने उस पर पहले से दर्ज दो मुकदमों, जिला परिवीक्षा अधिकारी की रिपोर्ट, प्रारंभिक मूल्यांकन के आधार पर हत्या और अन्य अपराधों के परिणामों को समझने में सक्षम पाते हुए एक वयस्क की तरह मुकदमा चलाने का आदेश दिया था।

अपीलीय न्यायालय ने भी जेजे बोर्ड के फैसले को बरकरार रखा। इन दोनों आदेशों को किशोर ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि किशोर न्याय बोर्ड, अपीलीय न्यायालय की ओर से उम्र निर्धारण के लिए किया गया प्रारंभिक मूल्यांकन कानून के अनुसार नहीं है और अविश्वसनीय है।

कोर्ट की ओर से जारी 11 अनिवार्य दिशानिर्देश

बच्चों की उम्र का निर्धारण करने के लिए बौद्धिक क्षमता (आईक्यू) और भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ईक्यू) का मनोवैज्ञानिक परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। मनोवैज्ञानिक परीक्षण के लिए मानकीकृत उपकरणों जैसे बिनेट कामत टेस्ट, विनलैंड सोशल मैच्योरिटी स्केल (वीएसएमएस), भाटिया बैटरी टेस्ट आदि का उपयोग किया जाना चाहिए। साथ ही रिपोर्ट में उपयोग की गई कार्यप्रणाली का उल्लेख होना चाहिए।

जघन्य अपराध करने की बच्चे की शारीरिक और मानसिक क्षमता और उसके परिणामों को समझने की उसकी क्षमता के संबंध में स्पष्ट निष्कर्ष दर्ज किए जाएंगे।

बोर्ड परिवीक्षा अधिकारी या बाल कल्याण अधिकारी को 15 दिन के भीतर एक सामाजिक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश देगा।

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी दो सप्ताह के भीतर बच्चे की और पारिवारिक पृष्ठभूमि पर एक सामाजिक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

जघन्य अपराध के मामलों में, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी एक महीने के भीतर गवाहों के बयान और जांच के अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करेगा।

बच्चे के किसी भी पिछले अपराध में संलिप्तता की संख्या और प्रकृति का विवरण देना होगा।

परिवीक्षा या सुधार केंद्रों में पूर्व प्रतिबद्धताओं का विवरण माना जाना चाहिए।

बोर्ड को यह जांचना होगा कि क्या कथित अपराध समान न्याय निर्णित अपराधों के दोहराए जाने वाले पैटर्न का हिस्सा है।

कानूनी हिरासत से बच्चे के भाग जाने का कोई भी इतिहास नोट किया जाना चाहिए।

बच्चे की बौद्धिक अक्षमता या मानसिक बीमारी की डिग्री, यदि कोई हो तो उसका आकलन किया जाना चाहिए।

बच्चे के स्कूल रिकॉर्ड और शिक्षा के इतिहास पर विचार किया जाना चाहिए।

किशोर न्याय अधिनियम–2015 का उद्देश्य बच्चे के सर्वोत्तम हित को सुनिश्चित करना है। इसलिए मानसिक क्षमता और परिणामों को समझने का सटीक मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन होना चाहिए। – इलाहाबाद हाईकोर्ट

विनेट कामत टेस्ट–इस टेस्ट से किसी व्यक्ति की सामान्य बौद्धिक कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया जाता है।

विनलैंड सोशल मैच्योरिटी स्केल–इसका भी प्रयोग बुद्धि के आकलन के लिए किया जाता है।

भाटिया बैटरी टेस्ट–इसके माध्यम से भी बुद्धि परीक्षण किया जाता है।

इरफान सोलंकी को हाईकोर्ट से मिली राहत, रंगदारी के मुकदमे की कार्यवाही पर कोर्ट ने लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कानपुर से सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ चल रहे जमीन पर कब्जे और रंगदारी के मुकदमे की पूरी कार्यवाही पर रोक लगा दी है। कोर्ट में इरफान के अधिवक्ता ने दलील दी कि जिस जमीन के मामले में मकुदमा दर्ज किया गया है वह जमीन वादी के नाम है ही नहीं।

कानपुर के सीसामऊ से सपा के विधायक रहे इरफान सोलंकी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने रंगदारी और जमीन पर कब्जा करने के मामले में ट्रायल कोर्ट में चल रहे मुकदमे की कार्यवाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ कर रही है।

कानपुर के जाजमऊ थाना क्षेत्र के दुर्गा विहार निवासी विमल कुमार ने 25 दिसंबर 2022 को पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। सोलंकी के साथ ही बिल्डर हाजी वसी, शाहिद लारी और कमर आलम के खिलाफ भी मारपीट, रंगदारी, धमकी समेत सार्वजनिक संपति नुकसान निवारण अधिनियम के

तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

वादी ने आरोप लगाया था कि उसकी जाजमऊ स्थित आराजी संख्या 963 जिसका रकबा एक हजार वर्ग मीटर जमीन था। विधायक इरफान सोलंकी, हाजी वसी, कमर आलम और शाहिद लारी ने जबरन उसकी जमीन पर कब्जा कर लिया था। डीएम से शिकायत पर लेखपाल ने जाकर जांच की और पुलिस के द्वारा कार्रवाई करके जमीन कब्जा मुक्त कराने की बात भी लिखी थी। आरोप है कि जब इन लोगों ने उसकी जमीन पर कब्जा किया था तो दर्शाया कि आराजी संख्या 48 की जमीन का हिस्सा है। वादी ने आराजी संख्या 48 के संबंध में जानकारी की गई तो पता चला कि यह जमीन कानपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी के नाम है जिसका पूरा रकबा 77 सौ वर्ग मीटर का है।

विमल ने आरोप लगाया कि इस दौरान एक और फर्जीवाड़ा सामने आया कि सभी आरोपियों के द्वारा केडीए की जमीन एक ऐसे हाईकोर्ट के आर्डर को दिखाकर बेची जा रही है जिसमें कहीं भी आराजी संख्या 48 का जिक्र न होकर सिर्फ प्लाट नंबर 247, 48 का जिक्र था। इन लोगों ने केडीए के अधिकारियों से साठगांठ कर एक ऐसा आरटीआई का पत्र प्राप्त किया था जिसमें लिखा था कि केडीए यह मुकदमा हार चुका है, लेकिन नीचे यह भी लिखा है कि जो मुकदमा केडीए हारा है उसका कोई जानकारी केडीए में उपलब्ध नहीं थी।

पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने दलील दी कि वादी जिस जमीन को अपना बताकर विधायक पर जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है, वह जमीन वादी की है ही नहीं। वादी का जमीन के मूल मलिक के साथ सिविल मुकदमा चल रहा है। राजनीतिक रंजिश के चलते वादी ने इरफान सोलंकी पर झूठे मुकदमा दर्ज कराए हैं। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने इरफान सोलंकी पर चल रहे मुकदमे की पूरी कार्यवाही पर रोक लगा दी।

थमने का नाम नहीं ले रहा हिस्सेदारी को लेकर चल रहा विवाद

प्रयागराज। सिकंदरा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर चढ़ावे की रकम में हिस्सेदारी को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार की रात में पुलिस ने दूसरे पक्ष की एक महिला की तहरीर पर दरगाह कमेटी के अध्यक्ष सफदर जावेद सहित चार लोगों के खिलाफ 50 हजार की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में केस दर्ज किया था। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने रविवार को सफदर जावेद और सलमान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

28 सितंबर को गाजी मियां की दरगाह पर चढ़ावे की रकम को लेकर मारपीट हुई थी। जिसमें करीब एक दर्जन लोग घायल हुए थे। मामले में एक पक्ष से सफर जावेद ने 12 लोगों के खिलाफ दान पेटिका लूटने और मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया। दूसरे पक्ष से मोहम्मद अकरम की तहरीर छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था।

पुलिस ने दूसरे पक्ष के मोहम्मद अकरम सहित तीन लोगों गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जबकि सफदर जावेद के पक्ष के रियासत अली का शांतिभंग में चालान किया गया था। जिसे बाद में जमानत मिल गई थी। शनिवार को मोहम्मद अकरम के पक्ष की बदरुन्निशा पत्नी मोहम्मद मुस्तफा ने बहरिया थाने में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया कि सफदर जावेद, परवेज पुत्र नन्हेशाह व सलमान पुत्र बन्ने और इरशाद उर्फ जानू पुत्र कल्लू दरगाह विवाद से रंजिश रखते हुए शनिवार को आए और घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देते हुए 50 हजार की रंगदारी मांगी।

डर से बदरून्निशा ने पांच हजार रुपये आरोपियों को दे दिए। जिसके बाद वह जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने चारों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए सफदर जावेद और सलमान को गिरफ्तार कर रविवार को जेल दिया। थानाध्यक्ष बहरिया ब्रजेश सिंह ने बताया कि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

प्रयागराज। प्रयागराज–रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग पर सेमरा गांव के सामने शनिवार देर रात इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में आग लग गई। दुकान से धुआं उठता देख बाहर सो रहे दुकानदार के पिता ने शोर मचाकर लोगों को जानकारी दी। एकत्रित हुए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन सामान जलकर राख हो चुका था। बताया जा रहा कि बिजली के तार के शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। पीड़ित के मुताबिक करीब पांच लाख का नुकसान हुआ है। लोगों ने बताया कि सूचना देने के बाद भी फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। जिसे लेकर लोगों में आक्रोश है। मनकवार गांव निवासी आशीष पटेल पुत्र रमाकांत सिंह पटेल की घूरपुर क्षेत्र के सेमरा गांव के सामने हाईवे पर इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। रोज की तरह शनिवार रात करीब नौ बजे आशीष दुकान बंद कर अपने घर चले गए। दुकान की रखवाली के लिए उनके पिता रमाकांत सिंह बाहर चारपाई पर सो रहे थे। रात करीब 12 बजे अचानक दुकान के अंदर आग लग गई। दुकान का शटर बंद होने के कारण रमाकांत सिंह को आग लगने की जानकारी नहीं हो पाई। थोड़ी देर बाद जब धुआं दुकान से बाहर निकलने लगा तो उनकी नींद खुली लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। लपटें दुकान से बाहर निकल रही थीं। यह देख उन्होंने शोर मचाना शुरू किया तो आसपास के लोग एकत्रित हो गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया लेकिन तब तक दुकान में रखा टीवी, पंखे, डीटीएच, झालर, तार और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर नष्ट हो गए थे। पीड़ित आशीष पटेल ने बताया कि आग से लगभग पांच लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की है।

बीएसए ने किया विकसित भारत कार्यक्रम का शुभारंभ

– बीएसए रतन कीर्ति ने यूआरसी पर आयोजित कार्यक्रम में परिषदीय छात्रों से किया संवाद

मथुरा। देश को आत्मनिर्भर बनाने के सपने को साकार करने की दिशा में विकसित भारत बिल्डाथॉन का विधिवत शुभारंभ केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में किया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण बेसिक के विद्यालयों में छात्रों को दिखाया गया।

जनपद में कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति द्वारा नगर संसाधन केंद्र (यूआरसी) पर छात्रों को बिल्डाथॉन 2025 के बारे में बताया गया और इस दौरान बच्चों के साथ ही कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। बिल्डाथॉन कार्यक्रमध की जानकारी देते हुए बीएसए द्वारा बताया गया कि बीएसए द्वारा बताया कि विकसित भारत में बिल्डाथॉन की शुरुआत 22 सितंबर 2025 को हो चुकी है। 23 सितंबर 2025 से 12 अक्टूबर तक शिक्षकों एवं बच्चों के पंजीकरण कराए गए हैं। उसके उपरांत इस कार्यक्रम की चार थीम वोकल फ़ॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी और समृद्ध भारत पर प्रोजेक्ट कार्य बच्चों के द्वारा किए जाएंगे। उन प्रोजेक्ट कार्य को 31 अक्टूबर 2025 तक विकसित भारत बिल्डाथॉन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा विभाग के 6 से आठवीं तक संचालित विद्यालयों को शामिल किया गया है। मेंटर्स द्वारा शिक्षकों व बच्चों को सहयोग प्रदान करते हुए पोर्टल कोर्स व प्रोजेक्ट कराए जाएंगे। कार्य पूर्ण होने पर डिजिटल प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। जिला समन्वयक प्रशिक्षण विक्रांत कुमार द्वारा बताया गया कि यह कार्यक्रम जनपद के सभी विकासखंड में संचालित उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों व अध्यनरत बच्चों के द्वारा क्रियान्वित किया जाना है। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक विरासत, विज्ञान, नैतिक मूल्य में बढ़ोतरी के साथ भारत को समृद्ध और सतत विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाना है। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार, रविंद्र कुमार चौधरी, बलवीर सिंह, एआरपी गिरीश कौशिक, प्रकाश चंद, स्तुति पांडे, नेहा सिंह, प्रीति भटनागर समेत जूनियर वर्ग के छात्र–छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बलवीर सिंह द्वारा किया गया।

रेलवे सुरक्षा बल 5 महिला अधिकारियों सहित 26 कर्मियों के दल के साथ दिल्ली में वेदांता हाफ मैराथन 2025 में भाग ले रहा है

प्रयागराज। आरपीएफ दल का विषय ष्ऑपरेशन नार्कोसरू नशीली दवाओं की तस्करी के विरुद्ध आरपीएफष युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने, रेलवे नेटवर्क के माध्यम से नशीली दवाओं की तस्करी पर अंकुश लगाने और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए बल के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डालता है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ)

ने आज जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित वेदांता हाफ मैराथन 2025 में भाग लिया।

5 महिला अधिकारियों सहित विभिन्न रैंकों के 26 कर्मियों के एक दल ने आरपीएफ महानिदेशक, सुश्री सोनाली मिश्रा, आईपीएस के मार्गदर्शन में इस प्रतिष्ठित आयोजन में बल का प्रतिनिधित्व किया। आरपीएफ टीम का नेतृत्व उत्तर रेलवे की महानिरीक्षक/निर्माण श्रीमती कमलजोत बराड़ ने किया।

ऐसे आयोजनों में आरपीएफ की भागीदारी उसके कर्मियों के बीच शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इं. मारिया कोरिना मचाडो को वर्ष 2025 का नोबल शान्ति पुरस्कार मिलने से इन्जीनियर्स में खुशी की लहर

मुजफ्फर नगर। इन्जीनियरिंग शैक्षिक पृष्ठभूमि की वेनेजुएला की नेता इं० मारिया कोरिना मचाडो को वर्ष 2025 का नोबेल शान्ति पुरस्कार दिये जाने का इन्जीनियर्स क्लब ने स्वागत करते हुए सभी इन्जीनियर्स ने खुशी जाहिर की व पुरस्कार विजेता इं० मारिया कोरिना को सार्वजनिक बधाई देने के साथ–साथ नार्वे की नोबल समिति का धन्यवाद ज्ञापित किया। इन्जीनियर्स क्लब के सचिव इं० बसन्त कुमार गोयल ने बताया कि वेनेजुएला के काराकस में 1967 में जन्मी मचाडो नें इन्डस्ट्रीयल इन्जीनियरिंग में स्नातक डिग्री के बाद विश्व प्रसिद्ध हार्वर्ड विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर डिग्री की। क्लब सचिव ने कहा कि मारिया की कहानी सिर्फ एक देश के नागरिकों के संवैधानिक मूल्यों व अधिकारों की रक्षा के लिए एक राजनैतिक संघर्ष की कहानी नहीं बल्कि इन्जीनियरिंग शिक्षा में मिला वह साहस है जो स्पष्ट दर्शाता है कि एक इन्जीनियर नव अन्वेषण, नव निर्माण के साथ–साथ मानवता के लिए कुछ भी कर सकता है।

गांधी पालिटेक्निक मुज़फ्फरनगर एलुमनी एसोसिएशन ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

मुजफ्फर नगर।गांधी पॉलिटेक्निक मुज़फ्फरनगर प्रबन्ध समिति के पूर्व अध्यक्ष दिवंगत सोमांश प्रकाश, पूर्व विधायक की स्मृति में उन्हें समर्पित एक रक्तदान शिविर का आयोजन गांधी पॉलिटेक्निक मुज़फ्फरनगर परिसर में आयोजित किया गया। पॉलीटेक्निक एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष इं० अजय सक्सेना व सचिव इं० बसन्त कुमार गोयल ने एक संयुक्त वक्तव्य में बताया कि प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष कन्दर्प स्वरूप के मुख्य आतिथ्य व पॉलीटेक्निक प्रधानाचार्य इं० राजीव सिंह की अध्यक्षता में आयोजित रक्त दान शिविर में 20 रक्तवीरों ने रक्त दान किया। रक्त दान शिविर आयोजन में इन्जीनियर्स क्लब के संरक्षक इं० अशोक अग्रवाल, स्वामी कल्याणदेव जिला चिकित्सालय मुज़फ्फरनगर के ब्लड बैंक स्टाफ, एसोसिएशन संरक्षक इं० सतीश शर्मा, इं० मनोज गर्ग, इं० चमन लाल, इं० बिजेंद्र कुमार, इं० इशिता शर्मा, इं० संजय गोयल, इं० शिशिर गोयल, शिक्षिका बबीता देवी, अमित गंगवार, राजेन्द्र सैनी, भाजपा नेता संजय अग्रवाल, समाजसेवी अजय अनेजा, अंकुर मैनी, मैजिक डांस एकेडमी के निदेशक कोरियोग्राफर मोहन अरोरा, का विशेष योगदान रहा। शिविर का समापन टिकौला शुगर मिल के महाप्रबंधक एच के मंगलम ने रक्तदान प्रतिभागियों को प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर एवं फलाहार कराकर किया।

बिपिन मिश्र संस्कृत प्रशिक्षक नियुक्त

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग परास्नातक अंतिम वर्ष के छात्र बिपिन मिश्र का चयन संस्कृत प्रशिक्षक के रुप में हुआ है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा बिपिन मिश्र को संस्कृत प्रशिक्षक के रूप में चयनित कर नागपुर महाविद्यालय में प्रशिक्षण हेतु भेजा गया है। बिपिन मिश्र संस्कृत विभाग के स्वर्ण पदक विजेता मेधावी छात्र हैं। प्रशिक्षण की अवधि में व्यस्त होने से दीक्षांत समारोह में अनुपस्थित होने के कारण बिपिन मिश्र को आज विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। माननीय कुलपति ने संस्कृत प्रशिक्षक के रुप में बिपिन को बधाई दी है। संस्कृत विभाग के समस्त प्राध्यापकगण डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा, डॉ. पूजा सिंह सहित संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से खुशी व्यक्त करते हुए बिपिन मिश्र को शुभकामनाएं दी है।

ईश्वर शरण में विकसित भारत यंग लीडर डायलाग का आयोजन

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में षविकसित भारत यंग लीडर डायलॉग'ष पर आज दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय एन.एस.एस प्रभारी डॉ.अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा विकसित भारत 2047 हेतु आगामी राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी 2026 को भारत के 10000 युवाओं को भारत मंडपम नई दिल्ली में विकसित भारत2047 के संदर्भ में संवाद किया जाएगा। और इसके लिए प्रत्येक युवा को जिनकी उम्र 15 से 29 वर्ष के बीच है माय भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करके विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग में प्रतिभाग करना है। उन्होंने राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 हेतु विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज के संबंध में स्वयंसेवकों को विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए माय भारत पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करते हुए कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रुचि गुप्ता.ने राष्ट्र निर्माण पर चर्चा करते हुए विकसित भारत हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना की राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर प्रकाश डाला।

हमारी प्राचीन एवं गौरवशाली परम्परा को अपनी दृष्टि से देखने का अवसर है भारतीय ज्ञान परम्परा: प्रो. गन्टी एस. मूर्ति

प्रयागराज। भारतीय ज्ञान परंपरा केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर द्वारा आयोजित षष्ठ दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का आयोजन दिनांक 13–10–2025 को परिसरीय सभागार में किया गया। ष्भारतीय ज्ञान परम्परा में अनुसंधानष विषय पर आयोजित कार्यशाला में देश के ख्यातिलब्ध विद्वानों एवं प्रख्यात शिक्षाविदों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किये जाएंगे। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. गन्टी. एस. मूर्ति, राष्ट्रीय समन्वयक, भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार ने भारतीय ज्ञान परम्परा के क्षेत्र में अनुसंधान की सम्भावनाओं एवं प्राप्त अवसरों से समस्त उपस्थित जनों का परिचित कराया। भारतीय ज्ञान परम्परा के अध्ययन को भारतीय संस्कृति से परिचित होने का अवसर बताते हुए उन्होंने छात्रों को भारतीय ज्ञान परम्परा के क्षेत्र में अनुसंधान करने को प्रेरित किया। अपने वक्तव्य में आलेख चित्रों एवं प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उन्होंने अपनी वर्तमान दृष्टि से प्राचीन एवं गौरवशाली परम्परा की समृद्धता को अनुभव करने को भारतीय ज्ञान परम्परा का आधार बताया।

उद्घाटन सत्र के सारस्वतातिथि प्रो. कोराड सुब्रह्मण्यम, निवृत्ताचार्य, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने अपने व्याख्यान में भारतीय ज्ञान परम्परा की गूढ़ता से परिचित कराया। अपने सारगर्भित वक्तव्य में उन्होंने वेदों एवं मीमांसा में उपलब्ध शब्दों का विश्लेषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में भारतीय ज्ञान परंपरा द्वारा विश्व को अवदान विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अनुसंधान की भारतीय पद्धतियों, शास्त्रीय ग्रंथों में निहित ज्ञान और आधुनिक अनुसंधान के लिए उनके उपयोग पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय ज्ञान परम्परा के मूर्धन्य विद्वान प्रो. रामकृष्ण पेजात्तेय सम्मिलित रहे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारतीय ज्ञान परम्परा में अनुसंधान की गुणवत्ता और मौलिकता पर बल विशेष बल देते हुए इसे मात्र अनुसंधान तक ही सीमित न रखते हुए भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की दिव्यता को अनुभव करने का विशेष अवसर बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का अध्ययन न केवल ज्ञानवर्धन करता है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक जड़ों को भी मजबूत करता है। कार्यशाला में देश के विभिन्न भागों से आये हुये प्रतिभागियों एवं छात्र–छात्राओं का स्वागत करते हुए उन्होंने सभी के लिए कार्यशाला को अतिमहत्वपूर्ण एवं विशिष्ट बताया।

कार्यक्रम में आरम्भ में उपस्थित समस्त अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्वानों का स्वागत परिसर के उप निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने किया। उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम का संचालन परिसरीय सहायकाचार्य डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी ने किया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से शोध्च्छात्र एवं अध्यापक प्रतिभाग कर रहे हैं। उद्घाटन सत्र में प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस", विभागाध्यक्ष–धर्मशास्त्र, प्रो. मनोज कुमार मिश्र, विभागाध्यक्ष वेद विभाग, डॉ. सुरेश पाण्डेय, श्री अंकित मिश्र, श्री राजेशकान्त तिवारी, सुश्री अश्विनी लंके एवं परिसरीय समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

सदियापुर और मीरापुर में लटकते तार एवं पीने के पानी में सीवर का पानी आने की शिकायत पर नाराज हुए मंत्री नन्दी

विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं नगर आयुक्त को तत्काल निवारण के दिए निर्देश

मंत्री नन्दी ने करैलाबाग, सदियापुर, शास्त्रीनगर एवं मीरापुर के विभिन्न क्षेत्रों में किया भ्रमण

प्रयागराज। भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के घर जाकर की मुलाकात, कुशलक्षेम जाना उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने आज अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के करैलाबाग, सदियापुर, शास्त्रीनगर एवं मीरापुर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के घर जाकर परिवारजनों से मुलाकात की। इस दौरान लोगों से क्षेत्र की समस्याओं के सम्बंध में बातचीत की।

सदियापुर और मीरापुर के कुछ क्षेत्रों में जगह–जगह बिजली के तार लटकने, बिजली के खम्भों के जर्जर होने और पेयजल आपूर्ति की पाइप लाइन में सीवर का पानी आने की शिकायत पर मंत्री नन्दी ने नाराजगी जताई। बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ ही नगर आयुक्त से फोन पर वार्ता कर समस्याओं के तत्काल निवारण के निर्देश दिए।

मंत्री नन्दी ने रविवार को प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के करैलाबाग निवासी श्रीमती मंजूद निषाद, श्रीमती रीना कुमारी, सदियापुर में श्रीमती आरती देवी निषाद, शास्त्रीनगर में श्रीमती सोना देवी एवं मीरापुर में गौरव केसरवानी, अमित कुमार नायक, कमल सेठ, इंदु विश्वकर्मा, पवन शर्मा शरद मालवीय, आकाश मिश्रा, सुभाष तिवारी, श्रीमती मंजू कनौजिया, गौरव गोपाल मिश्रा एवं पार्षद साहिल अरोरा के घर जाकर सभी के परिवारजनों से मुलाकात की। सभी का कुशलक्षेम जाना।

क्षेत्र में भ्रमण के दौरान मंत्री नन्दी ने सैकड़ों लोगों से मुलाकात की। मंत्री नन्दी ने पैदल ही पूरे क्षेत्र में भ्रमण किया। इस दौरान क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को जाना। भ्रमण के दौरान सदियापुर क्षेत्र में सड़क व गलियों में काफी नीचे तक लटकते हुए बिजली के तार दिखाई दिए। वहीं कई स्थानों पर बिजली के तारों का मकड़ध्जाल फैला हुआ था। वहीं कुछ स्थानों पर बिजली के खम्भे लटके हुए व जर्जर दिखाई दिए। जिस पर मंत्री नन्दी ने तत्काल विध्द्युत विभाग के अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर तत्काल व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

इस दौरान पूर्व राज्य मंत्री बाबू लाल भवरा, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर, मीरापुर मंडल अध्यक्ष गया प्रसाद निषाद, पूर्व मंडल अध्यक्ष रणविजय सिंह, सेक्टर संयोजक श्याम कुमार निषाद, मनीष निषाद, शरद मालवीय, पवन शर्मा, सुधीर श्रीवास्तव, मनोज गुप्ता, लालू मित्तल एवं अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे।

हिंदी लेखिका संघ, मध्यप्रदेश द्वारा दीवाली मिलन समारोह सम्पन्न

जबलपुर। हिंदी लेखिका संघ, मध्यप्रदेश द्वारा दीवाली मिलन समारोह का भव्य आयोजन शनिवार, 11 अक्टूबर को सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का संचालन संघ की खेल प्रभारी श्रीमती रेखा चौधरी ने हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में किया। समारोह का आयोजन संघ की अध्यक्षा डॉ. कामना श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सलाहकार श्रीमती अर्चना मलेया के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर संघ की वरिष्ठ सदस्याएँ डॉ. कामना कौस्तुभ, छाया सक्सेना प्रभु, आरती शर्मा, डॉ. शोभा सिंह, मीना भट्ट, डॉ. गीता गीत, डॉ. अम्बर प्रियदर्शी, ज्योति मिश्रा, रेखा चौधरी, प्रतिमा अखिलेश, डॉ. मुकुल तिवारी, श्रीमती चंद्रप्रकाश वैश्य और सावनी राजू उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में दीवाली की उमंग और उत्साह के साथ विभिन्न मनोरंजक खेलों, कविताओं, गीतों और मस्ती भरे पलों का आनंद लिया गया। नई सदस्याओं का संघ में सादर स्वागत किया गया और सभी ने एक–दूसरे को दीवाली की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षा डॉ. कामना श्रीवास्तव ने सभी सदस्याओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि "लेखिका बहनों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी पहचान है। जीत–हार से ऊपर हमारी एकता और उत्साह है।" पूरे आयोजन में उत्साहऔर सौहार्द का सुंदर समागम देखने को मिला।

ज्योत्सना नाट्य समारोह में नाटक कहन कबीर एवं पंछी और दीमक का मंचन

प्रयागराज। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के अनुदान योजना के अंतर्गत कल ज्योत्सना सामाजिक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था ने उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में ज्योत्सना नाट्य समारोह का आयोजन किया जिसमें दो नाटकों का मंचन गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान के सभागार में किया गया। सर्वप्रथम समन्वय रंगमडल प्रयागराज की नाट्य प्रस्तुति कहन कबीर का मंचन हुआ। कहन कबीर राजेश जोशी द्वारा लिखित और सुषमा शर्मा द्वारा निर्देशित एक कोलाज है। कबीर एक ऐसे समाज सुधारक थे जो धर्मांधता और कट्टरता से ऊपर केवल इंसान और इंसानियत को केंद्र में रखते हैं।एक बेहतर समाज के लिए उन्होंने जीवन भर संघर्ष किया और अनेकों कष्ट उठाएं लेकिन हार नहीं मानी। ऐसे कबीर के जीवन संघर्ष की बात करता है नाटक कहन कबीर। नाटक में अरनव राय, दीपेंद्र सिंह, राहुल यादव ,अरुण शुक्ला, ऋतिक श्रीवास्तव, जगदीश गॉड, विजय कुमार, प्रज्ञान राय, चंकी बच्चन, वर्षिता श्रीवास्तव ने अभिनय किया है। कार्यक्रम का दूसरा नाटक बैकस्टेज के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। नाटक पंछी और दीमक का निर्देशन वरिष्ठ रंग निर्देशक प्रवीण शेखर ने किया है।

कहते हैं ट्यूलिप

(कुण्डलिया)

सुन्दरता समृद्धि का, जो बन गया प्रतीक।
कहते हैं ट्यूलिप उसे, लगता अति रमणीय।
लगता अति रमणीय,अर्थ है जिसका गहरा।
खुशबू से महफूज, मगर है सँवरा सँवरा।
सुन लो कहें प्रदीप, फूल की पढ़ निर्मलता।
करते सब तारीफ़,देख इसकी सुन्दरता।।

दो दिल की नज़दीकियाँ, उनका प्रेम प्रभाव।
लोककथाएँ बन गईं,ट्यूलिप फूल लगाव।
ट्यूलिप फूल लगाव,बना तुर्की का हिस्सा।
शिरीन अरु फरहाद, रक्त–कतरे का किस्सा।
सुन लो कहें प्रदीप, देख सुन्दरता इसकी।
कैसे दोनों मरे, कहानी है दो दिल की।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे

No. MECH-ONF-DER-25 दिनांक: 09.10.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ओ. & एफ.), उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती है:-

GEM बिड संख्या: GEM/2025/B/6773079 Dated: 09.10.2025, कार्य का नाम: सेवाओं के लिए कस्टम बिड-प्रयागराज डिवीज़न में स्थित ICD/DER में दो वर्ष साल के वैगनों की जांच एवं मरम्मत का कार्य।

कार्य का अनुमानित लागत (₹ में): ₹ 7,59,59,642.66	EMD (₹): ₹ 5,29,800.00
निविदा सिस्टम: डबल पैकेट सिस्टम	कार्य की अवधि : 02 वर्ष
ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य	GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि: 09.10.2025
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 03.11.2025 & 15:00:00	

नोट: (1) उपरोक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका के समय पूरी जानकारी GEM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध/अपलोड की जाएगी और वेबसाइट www.gem.gov.in पर निविदा खुलने की नियत तिथि तक बनी रहेगी। (2) उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस उद्देश्य के लिए, बिडर्स को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत करना आवश्यक है। (3) संलग्न किए जा रहे दस्तावेज पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। (4) सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। (5) किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। (6) ऑनलाइन ई- निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती हैं। (7) जेवी (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति है। 1874/25 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर गाड़ी संख्या 04123/04124 प्रयागराज-हज़रत निज़ामुद्दीन त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

04123/04124 प्रयागराज-मानिकपुर-हज़रत निज़ामुद्दीन त्योहार विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन)

गाड़ी सं. 04123 प्रयागराज-हज़रत निज़ामुद्दीन			गाड़ी सं. 04124 हज़रत निज़ामुद्दीन-प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	14:50	प्रयागराज	09:10	—
15:25	15:27	शंकरगढ़	07:35	07:37
16:03	16:05	डभौरा	07:05	07:07
16:45	16:50	मानिकपुर	06:30	06:35
17:16	17:18	चित्रकूट धाम कर्वी	04:38	04:40
17:44	17:46	अतर्रा	04:10	04:12
18:35	18:40	बाँदा	03:40	03:45
19:23	19:25	महोबा	02:40	02:42
19:42	19:44	कुलपहाड़	02:00	02:02
20:10	20:12	हरपालपुर	01:35	01:37
21:03	21:05	मऊरानीपुर	01:15	01:17
22:35	22:40	वी.लक्ष्मीबाई झाँसी	00:05	00:10
01:05	01:10	ग्वालियर	22:15	22:20
04:20	04:22	धौलपुर	20:23	20:25
06:20	06:25	आगरा छावनी	19:05	19:10
07:50	07:55	मथुरा जं.	18:05	18:10
08:50	08:52	कोसीकलाँ	17:18	17:20
11:35	—	हज़रत निज़ामुद्दीन	—	15:45

• गाड़ी सं. 04123: प्रयागराज से प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को दिनांक 15.10.2025 से 02.11.2025 तक • गाड़ी सं. 04124: हज़रत निज़ामुद्दीन से प्रत्येक गुरुवार एवं सोमवार को दिनांक 16.10.2025 से 03.11.2025 तक
• गाड़ी संरचना: स्लीपर श्रेणी-07, सामान्य श्रेणी-09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-01

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के समन्वित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1884/25(D)

सम्पादकीय.....

बिहार में चुनाव दिल्ली में खलबली

बिहार चुनाव को लेकर पूरे देश में हलचल है। जिस तरह टिकट बटवारे को लेकर घमासान मचा है उसके कारण दिल्ली तक खलबली मची हुई है। चुनाव की दस्तक के साथ ही देश की राजनीति के साथ ही बिहार की राजनीति फिर से उबाल पर है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में टिकट बंटवारे को लेकर जबरदस्त खींचतान और बीच में सुराजपार्टी की दस्तक ने बिहार चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। सत्ता की इस जंग में विचारधारा, गठबंधन धर्म और सीटों का गणित सब एक बार फिर से परखे जा रहे हैं। एनडीए में भाजपाॉ जदयू और एलजेपी (रामविलास) के बीच तालमेल बनाने के लिए हर आसन लगाए जा रहे है। मुख्यमंत्री नीतीश और भाजपा केंद्रीय नेतृत्व सीटों के वितरण अभी भी असंमजस बना हुआ है। चिराग पासवान की पार्टी भी बहुत ही खास सीटों पर दावा ठोंक रही है। ऐसे में गठबंधन के भीतर सामंजस्य बनाए रखना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। जदयू की अपनी चिंता यह है कि एनडीए में उसका प्रभाव कम हो रहा है। इंडिया गठबंधन में भी सब कुछ ठीक नहीं है। राजद कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीटों को लेकर विवाद दिख रहा है। राजद अपने वोट बैंक और बड़े जनाधार के बल पर अधिक सीटें चाहती है। जबकि कांग्रेस और वाम दल अपने कद के अनुरूप सीटें मांग रहे है। गठबंधन की एकता का दावे में सीटों को लेकर अंदरूनी असहमति साफ झलक रही है। यही वजह है कि कई पत्त्राने नेता अब पाला बदलने की तैयारी में हैं। राजनीतिक अवसरवाद से मतदाताओं निराशा भी पैदा कर रहा है। मतदाता अब मुद्दो से ज्यादा नेताओं की आपसी खींचतान देखने को मजबूर हैं। बिहार की जनता जातिपाति, क्षेत्र और परिवार वाद से उठकर अब विकास रोजगार और शिक्षा जैसे मुद्दो पर जवाब चाहती है। ऐसे में बिहार चुनाव में इस बार प्रशांत किशोर की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। 2025 के 18 वीं बिहार विधानसभा चत्त्नाव के लिए बिहार में राजनीतिक दलों के बीच सरगर्मी तेज हो चुकी है। बिहार में विधानसभा की कत्त्ल 243 सीटे हैं। इनमें 38 सीटें अनुसूचित जाति और 2 अनूसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। बिहार में चुनाव का जिक्र हो और जाति की चर्चा ना हो ऐसा हो नहीं सकता। यही कारण है कि चुनाव में सभी राजनीतिक दल व्यक्ति से ज्यादा जाति को महत्व देकर टिकट बांटते हैं। टिकट वितरण के पैमाने में जाति निर्णायक भूमिका अदा करती है। ब्रह्मण, राजपूत, भूमिहार, कायस्थ, यादव, कोयरी, कुर्मी, पासी, ध ाानुकॉर, पासवान, डोम व मल्लाह आदि जातियों से राजनीतिक दल चुनाव में उम्मीदवार खड़े करते हैं। राजद का वोट बैंक मुस्लिम और यादव समीकरण से मजबूत हैं लेकिन पिछले चुनाव में ओवैसी की एआईएमआईएम से पांच विधायक जीत कर आये तो यह चर्चा होने लगी की राजद का मुस्लिम वोट बैंक अब राजद से दूर जा रहा है, लेकिन राजद ने ओवैसी के चार मुस्लिम विधायकों को अपने पाले में कर लिया। दूसरी तरफ एनडीए में भाजपा का सवर्ण, जदयू का पिछड़ा वर्ग, चिराग पासवान का दलित, जीतनराम मांझी का महादलित वोट मिलकर गठबंधन को मजबूत करता है। चरम की स्थिति में बढ़ते बिहार में तेजस्वी यादव जहां एंटी इनकंबेसी फैक्टर को भुनाने की कोशिश कर रहे हैं और राहुल गांधी के साथ वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। नीतिश कुमार ने वोटरों को साधने की कोशिश में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत बिहार की एक करोड़ 21 लाख महिलाओं के खाते में दस हजार रूपये दिये। बिहार सरकार की ओर से पहले ही चरणबद्ध तरीके से पैसों का वितरण करने के लिए तारीखों किया गया। विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनाव के तुरंत पहले ये एक तरह से वोट खरीदने की चाल है।` प्रशांत किशोर द्वारा बिहार भाजपा के नेताओं के भ्रष्टाचार पर खुलासे के साथ ही उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की शैक्षणिक योग्यता पर भी सवाल उठाए। कुल मिलाकर चुनाव भले ही बिहार में चल रहे हो खलबली पूरे देश मे है। बहरहाल इस बार के विध ाानसभा चुनाव केवल नेताओं की परीक्षा नहीं होंगी, बल्कि यह भी तय करेंगे कि बिहार की जनता अब भी पुराने समीकरणों पर भरोसा करती है या वह बदलाव की ओर बढ़ना चाहती है। टिकटों की इस जंग में जो दल जनहित को प्राथमिकता देगा वही जनता के दिल तक पहुंचेगा। बिहार की राजनीति का भविष्य आखिरकार जनता के हाथ में है और यही इस लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। पिछले चुनावों की अपेक्षा इस चुनाव में बिहार का मतदाता पूरे देश को अलग संकेत देगा।

वेद,उपनिषद पुराणों दिव्य आलोक से प्रदीप्त होता वैश्विक क्षितिज

संजीव ठाकुर

कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है।

भारतीय ऋग्वेद अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल मी भारतीय संस्कृति संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृ ति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी। गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण हैस व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति, बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन हैस हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता हैस पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो। जससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत होस इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था। यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है। पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं। श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है। केवल सफलता आपको अस्थाई तथा तत्कालिक मानसिक शारीरिक सुख प्रदान कर सकती है। पर चिरस्थाई तथा आत्मिक संतोष के लिए उसमें श्रम तथा सार्थकता का समावेश होना अत्यंत आवश्यक होता है। अगर वह समाज के लिए एक आदर्श तथा उपयोगी मार्गदर्शक बन सकता है। इसलिए जीवन में केवल सफलता के पीछे ना जाकर श्रम, मेहनत और सार्थकता अत्यंत आवश्यक पहलू हैं।

महामारी का सबब बन सकते हैं बर्फ से निकलते 'दैत्य'

प्रेम शर्मा

ग्लेशियरों में मौजूद बैक्टीरिया या वायरस जीवन के चिन्ह माने जाते हैं लेकिन इनसे बीमारियां–महामारियां पैदा करने का जोखिम भी जुड़ा है। जलवायु परिवर्तन या मानवीय हस्तक्षेप से यदि बर्फ पिघले तो अनुकूल वातावरण पाकर ये सूक्ष्मजीव पुनरू सक्रिय या जीवित हो सकते हैं। वैज्ञानिक चेतावनी दे चुके हैं कि वे मनुष्यों को संक्रमित कर सकते हैं। एक शोध के दौरान अलास्का की हजारों साल पुरानी बर्फ पिघलाने के बाद वायरस जीवित हुए भी। तेजी से ध्रुवों पर बर्फ पिघल रही है जिसमें पड़े संक्रामक सूक्ष्मजीवों का सक्रिय होना संकटकारी है। इस दिशा में अनदेखी से हजारों साल पुरानी महामारियों के वापस आने की आशंका है जो इंसानी जीवन के लिए तबाही का सबब बन सकती है। अभी हमें नहीं मालूम कि हमारी पृथ्वी से परे इस ब्रह्मांड में कहीं और जीवन है या नहीं। लेकिन तमाम उपग्रहों, अंतरिक्ष वेधशालाओं और रेडियो संकेतों की छानबीन के बाद विज्ञानियों का मत है कि मंगल ग्रह या कहीं और धरती से परे जीवन की कोई संभावना सूक्ष्मजीवों (बैक्टीरिया या वायरस) आदि के रूप में हो सकती है। मुमकिन है कि जिन ग्रहों–उपग्रहों पर बर्फ और पानी का तनिक भी अस्तित्व हो, वहां ऐसे सूक्ष्मजीव मिल सकते हैं जो जीवन पनपा सकें। नमी, गर्म मौसम और वायुमंडल में ऑक्सीजन सरीखी गैसें– जिंदगी पैदा करने के लिए यही सब कुछ तो चाहिए। जरूरत इतनी सी है कि इन सूक्ष्मजीवों को (अगर वे पृथ्वी से बाहर कहीं हैं, तो) किसी तरह सक्रिय यानी जीवित किया जा सके। पर हमारी पृथ्वी को जीवन के स्पंदन से भरने वाले बैक्टीरिया या वायरस की शक्ल वाले इन सूक्ष्मजीवों (माइक्रोऑर्गेनिज्म) की एक भूमिका और भी है। इनका दूसरा पहलू असंख्य बीमारियों और महामारियों को पैदा करने से जुड़ा है। पानी, हवा और जमीन के दृश्यमान माहौल से अलग पृथ्वी की अतल गहराइयों, बर्फ की कंदराओं और चट्टानी दरारों तक में मौजूद सूक्ष्मजीवों को अगर मौका मिले तो शायद वे पूरी कायनात को ही पलट कर रख दें। कोविड महामारी के दौर से ही ऐसी आशंकाएं सिर उठा रही हैं। इधर अमेरिका के कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अलास्का (आर्कटिक) की 40 हजार साल पुरानी बर्फ (पर्माफ्रॉस्ट– मिट्टी, बर्फ और चट्टानों का मिश्रण) के कुछ नमूनों को क्या पिघलाया, वे यह देखकर हैरान रह गए कि हजारों साल तक बर्फ में फंसे और जमे रहे सूक्ष्मजीव धीरे–धीरे जीवित हो गए। हालांकि सूक्ष्मजीवों का यह पुनर्जीवन कोई अच्छी खबर लेकर नहीं आया है। माना जा रहा है कि किसी साइंस–फिक्शन हॉरर फिल्म की तरह, ये प्राचीन संक्रामक सूक्ष्मजीव किसी जानवर पर आश्रित होकर अगली मानव महामारी का कारण बन सकते हैं। यह नई सूचना दशकों से प्रचलित उस मान्यता को स्थापित करते हुए प्रतीत हो रही है, जिसमें यह चेतावनी दी जाती रही है कि धरती की गहरी परतों में कैद प्राचीन बर्फ को छेड़ा न जाए क्योंकि इसके अंजाम बहुत बुरे हो सकते हैं। न तो उसकी खुदाई की जाए और न ही ऐसे हालात पैदा किए जाएं, जिससे यह खुद–ब–खुद पिघलने लगे। अलास्का में पृथ्वी की सतह से 350 फुट नीचे जिस इलाके से कोलोराडो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नए नमूने जमा किए हैं, वहां 1960 के दशक में भी खुदाई की गई थी। 'पर्माफ्रॉस्ट सुरंग' के रूप में विख्यात इस जगह पर अति प्राचीन समय के विशालकाय जानवरों की हड्डियां जस की तस मौजूद हैं। यहां से लिए गए सूक्ष्मजीवों (बैक्टीरिया से समूह) के नमूनों को पानी के बीच 39 से 54 फॉरेनहाइट तापमान रखकर जगाने की कोशिश की गई। छह महीने तक चले प्रयोगों के बीच पाया गया कि शुरुआत में इन बैक्टीरिया समूहों की बढ़वार बेहद धीमी थी, लेकिन इन्हीं में से कुछ ने अपने इर्दगिर्द एक पतला, चिपचिपा पदार्थ बनाना शुरू कर दिया। इस पदार्थ को बायोफिल्म के रूप में जाना जाता है, जो वायरस और बैक्टीरिया की रक्षा करता है और उन्हें फैलने में मदद कर सकता है। विज्ञानियों ने इसका नतीजा यह निकाला कि गर्म और नम माहौल देने पर बर्फ में सदियों तक जमे रहे सूक्ष्मजीव कुछ ही महीनों में जीवित और सक्रिय हो सकते हैं। यही असली खतरा है। पर्यावरणविद् और मौसम विज्ञानी जलवायु परिवर्तन के नतीजे में पृथ्वी के ध्रुवों पर जमी बर्फ को तेजी से पिघलते हुए देख रहे हैं। ऐसे में बैक्टीरिया और वायरस के रूप में जो असंख्य सूक्ष्मजीव सदियों से बर्फ की कैद में सोते रहे हैं, वे अचानक बर्फ पिघलने पर वहां से छिटककर धरती पर फैल सकते हैं और एक नई तबाही मचा सकते हैं। खतरा अवास्तविक नहीं है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं का मत है कि बर्फ में दबे और सोते हुए बैक्टीरिया सदियों तक पोषक तत्वों, गर्मी या प्रकाश के बिना जीवित रह सकते हैं। ऐसे सूक्ष्मजीवों को मृत मानना एक गलती हो सकती है। बल्कि सदियों के अंतराल के बाद भी ये अभी भी ऐसे मजबूत जीवन को आश्रय देने में सक्षम हैं जो कार्बनिक पदार्थों को तोड़कर नए सिरे से पैदा हो सकता है। संकट यह है कि करीब 55 लाख वर्ग मील में फैला अलास्का (आर्कटिक) का यह बर्फीला इलाका वर्ष 1979 के बाद से पृथ्वी के किसी और इलाके के मुकाबले तीन से चार गुना ज्यादा तेजी से गर्म हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण अभूतपूर्व तरीके से पिघल रही आर्कटिक की बर्फ के बारे में एक अनुमान यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का भी है। इस एजेंसी के मुताबिक पृथ्वी की सतह पर मौजूद इस इलाके के पर्माफ्रॉस्ट का दो–तिहाई हिस्सा वर्ष 2100 तक पिघलकर गायब हो सकता है। पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से हमारे ग्रह को गर्म करने वाली ग्रीनहाउस गैसें कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन निकलती हैं, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। अमेरिका के एक अन्य विश्वविद्यालय– एमआईटी के शोधकर्ताओं का आकलन बताता है कि दुनिया के पर्माफ्रॉस्ट में 1,500 अरब टन कार्बन है – जो वर्तमान में वायुमंडल में मौजूद कार्बन की मात्रा से लगभग दोगुना है। यह भी बर्फ के पिघलते ही मानव सभ्यता की मुसीबतों में कई गुना बढ़ोतरी कर सकता है। पर्माफ्रॉस्ट से फूट पड़ने वाले वायरसों की आशंकाओं को लेकर कुछ ही समय पहले संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की मुख्य वैज्ञानिक एंड्रिया हिनवुड ने एक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि अभी यह कहना मुश्किल है कि इन घटनाओं से हमें कितना चिंतित होना चाहिए। इसकी एक अहम वजह यह है कि अभी तक किसी प्राचीन वायरस से किसी महामारी के व्यापक प्रसार का जोखिम कम माना जाता है। लेकिन रोगाणुओं का फिर से उभरना केवल एक सैद्धांतिक खतरा नहीं है। इस बारे में मेडिकल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ कैरोलिना के शोधकर्ता डगलस जॉनसन का मत है कि एक प्राचीन वायरस पुनः सक्रिय होकर मनुष्यों को संक्रमित कर सकता है। वैज्ञानिकों ने कुछ वर्ष पहले तथाकथित 'जॉम्बी वायरस' के एक पुराने प्रकार को पुनर्जीवित किया था। हालांकि अभी तक एकाध मामलों को छोड़कर ज्यादातर पुनर्जीवित हुए वायरस केवल अमीबा को ही संक्रमित कर पाए हैं। इसकी वजह यह है कि ऐसे पुनर्जीवित वायरस नई परिस्थितियों में जीवित रहने के हिसाब से बहुत नाजुक होते हैं। लेकिन कुछ उदाहरण हैं, जो इसके संकट को जाहिर करते हैं। जैसे वर्ष 2016 में भीषण गर्मी के कारण साइबेरियाई इलाके में पर्माफ्रॉस्ट पिघला, तो वहां सदियों से बर्फ में जमे एक बारहसिंगा का शव बाहर आ गया। इस बारहसिंगा की मौत एंथ्रेक्स जीवाणु के प्रकोप से हुई थी। बाहर आए बारहसिंगा के शव में मौजूद एंथ्रेक्स के जीवाणुओं ने 2016 में इलाके में मौजूद बारहसिंगाओं और कई मनुष्यों को संक्रमित कर बीमार कर दिया था। इसी तरह 2019 ने आर्कटिक समुद्री बर्फ में पिघलन की घटना से उत्तरी प्रशांत महासागर में मौजूद ऊदबिलावों ने फोसीन डिस्टेंपर वायरस के उभार का खतरा पैदा कर दिया। माना गया कि प्राकृतिक बर्फ अवरोध के नष्ट होने से इस वायरस की संवाहक सील मछली अन्य समुद्री स्तनधारियों के साथ संपर्क में आ गई। वर्ष 2022 में, फ्रांसीसी शोधकर्ताओं ने साइबेरियाई पर्माफ्रॉस्ट से एक अज्ञात वायरस को पुनर्जीवित किया। इनमें सबसे पुराना वायरस 48,500 साल पहले का था और अमीबा को संक्रमित करने में सक्षम था। प्राचीन वायरसों का सामने आकर हम इंसानों के लिए इस तरह खतरा बन जाने की एक मुख्य वजह है। कारण यह है कि हजारों साल तक निष्क्रिय पड़े रहे इन सूक्ष्मजीवों (वायरस) से मानव प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) का कोई संपर्क नहीं रहा। इससे इंसानों में इनके खिलाफ इम्युनिटी पैदा नहीं हो पाई या फिर इनसे बचाव के लिए कोई उपाय नहीं बन पाया। हालांकि प्राचीन वायरसों की वापसी के लिए बर्फ का जलवायु परिवर्तन के कारण पिघलना ही अकेली वजह नहीं है। आर्कटिक में शिपिंग और खनन आदि बढ़ती औद्योगिक गतिविधियां भी लोगों को पर्माफ्रॉस्ट से फूट निकलने वाले सूक्ष्मजीवों के संपर्क में लाती हैं।

अधिकांश पुलिस जातिवादी और सांप्रदायिक है

एस.आर. दारापुरी

हरियाणा के एक दलित आई.पी.एस. अधिकारी वाई. पूरन कुमार की हालिया आत्महत्या ने एक बार फिर पुलिस संगठन के भीतर जातिगत भेदभाव के सवाल को जन्म दिया है। मैंने उत्तर प्रदेश में 32 वर्षों तक पुलिस विभाग में सेवा की और पाया कि पुलिस न केवल जातिवादी है, बल्कि सांप्रदायिक भी है। ये पूर्वाग्रह न केवल जनता के साथ व्यवहार करते समय, बल्कि संगठन के भीतर भी व्याप्त हैं। मैं नीचे संगठन के भीतर अपने अनुभव पर चर्चा कर रहा हूँ। कुछ समय पहले महाराष्ट्र की एक पुलिस अधि ाकारी, भाग्यश्री नवटेके का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह यह शेखी बघारती हुई दिखाई दे रही हैं कि कैसे वह दलितों और मुसलमानों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करती हैं और उन्हें प्रताड़ित करती हैं। यह भारतीय पुलिस बल में सामाजिक पूर्वाग्रहों की एक कच्ची लेकिन सच्ची तस्वीर पेश करता है। यह एक सच्चाई है कि आखिरकार हमारे पुलिसकर्मी समाज से ही आते हैं, इसलिए पुलिस संगठन हमारे समाज का सच्चा प्रतिरूप है। यह सर्वविदित है कि हमारा समाज जाति, धर्म, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय आधार पर विभाजित है। इसलिए, जब समाज के लोग पुलिस संगठन में प्रवेश करते हैं, तो वे अपने साथ अपने सभी पूर्वाग्रह और पक्षपात लेकर आते हैं। जब ऐसे लोग सत्ता के पदों पर आसीन होते हैं, तो ये पूर्वाग्रह और भी मजबूत हो जाते हैं। उनकी व्यक्तिगत पसंद–नापसंदय जातिगत और सांप्रदायिक पूर्वाग्रह उनके कार्यों को बहुत मजबूती से प्रभावित करते हैं। ये पूर्वाग्रह अक्सर उनके व्यवहार और कार्यों में उन स्थितियों में प्रदर्शित होते हैं जहाँ अन्य जातियों या समुदायों के लोग शामिल होते हैं। जब मैं 1976 में गोरखपुर में सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के रूप में तैनात था, तब मेरे ध्यान में स्पष्ट जातिगत भेदभाव की स्थिति आई। एएसपी के रूप में मैं रिजर्व पुलिस लाइंस का प्रभारी था। एक मंगलवार को, जो परेड का दिन था, पुलिस मेस का चक्कर लगाते समय मैंने पाया कि कुछ लोग सीमेंट की मेजों और बेंचों पर बैठकर खाना खा रहे थे, जबकि कुछ जमीन पर बैठे थे। मुझे यह अजीब लगा। मैंने एक हेड कांस्टेबल को बुलाया और खाने की इस स्थिति के बारे में पूछताछ की। उन्होंने मुझे बताया कि बेंचों पर बैठे लोग ऊँची जाति के हैं और जमीन पर बैठे लोग नीची जाति के। पुलिस लाइन में जातिगत भेदभाव का यह खुला प्रदर्शन देखकर मैं हैरान रह गया। मैंने इस भेदभावपूर्ण प्रथा को खत्म करने का फैसला किया। इसलिए अगली बार जब मैंने वही स्थिति देखी तो मैंने जमीन पर बैठे पुलिसकर्मियों से उठकर बेंचों पर बैठने को कहा। मुझे एक–दो बार यही दोहराना पड़ा और मैं अलग–अलग खाने की इस भेदभावपूर्ण प्रथा को बंद कराने में कामयाब रहा। संयोग से उसी दौरान मेरे बॉस ने मुझसे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयुक्त की 1974 की रिपोर्ट पर एक रिपोर्ट देने को कहा, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया था कि पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार की पुलिस लाइंस में अलग–अलग खाने की प्रथा थी। मैंने अपने बॉस को बताया कि यह सच है और मैंने हाल ही में इस प्रथा को खत्म किया है। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं बस यह लिख दूं कि अब यह प्रथा नहीं है। मुझे पूर्वी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों के बारे में नहीं पता, लेकिन गोरखपुर जिले में मैंने इसे खत्म कर दिया था। कुछ समय पहले खबर आई थी कि आज भी बिहार पुलिस में न केवल अलग–अलग खाने की प्रथा है, बल्कि ऊंची और नीची जाति के लोगों के लिए अलग–अलग बैरक भी हैं। यह चौंकाने वाली बात है कि यह आज भी जारी है, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयुक्त ने 1974 में ही इस भेदभावपूर्ण प्रथा की ओर इशारा किया था। दरअसल, पुलिस बल में उच्च जाति के लोगों का वर्चस्व है और इस तरह की भेदभावपूर्ण प्रथाएँ बेरोकटोक जारी हैं। आरक्षण नीति के कारण ही निम्न जातियों, खासकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों (एससी और एसटी) के कुछ लोगों को पुलिस बल में जगह मिली है, जिससे पुलिस बल अधिक धर्मनिरपेक्ष और प्रतिनिधित्वपूर्ण बना है, हालाँकि, अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व अभी भी बहुत कम है। फिर भी, पुलिसकर्मियों में जातिगत, सांप्रदायिक और लैंगिक पूर्वाग्रह काफी प्रबल हैं। यह भेदभाव इस वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ व्यवहार एवं पोस्टिंग आदि में भी परिलक्षित होते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में प्रांतीय सशस्त्र पुलिस के खिलाफ सांप्रदायिक पूर्वाग्रह की शिकायतें अक्सर आती रही हैं। 1979 में जब मैं 34वीं बटालियन पीएसी, वाराणसी में कमांडेंट के रूप में तैनात था, तब मुझे यह बात सच लगी। इस बात का पता चलने पर मुझे अपने जवानों को धर्मनिरपेक्ष बनाने के लिए काफी प्रयास करने पड़े। मैंने हमेशा उन्हें जाति और सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों से ऊपर रहने का उपदेश देने का ध्यान रखा। मैं उनसे कहा करता था कि धर्म उनका निजी मामला है और आप केवल वर्दी पहनने पर ही पुलिस के जवान होते हैं और कानून के अनुसार काम करने के लिए आपके कर्तव्य हैं। मेरी लगातार ब्रीफिंग और डीब्रीफिंग का उन पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा और मैं अपने जवानों को ध र्मनिरपेक्ष बनाने में सक्षम रहा। 1991 में वाराणसी में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो गई। मौका था 1991 के आम चुनाव का। एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी श्री चंद दीक्षित विश्व हिंदू परिषद (टभ्च) के उम्मीदवार के रूप में वाराणसी शहर से चुनाव लड़ रहे थे। हमेशा की तरह टभ्च ने मुसलमानों को वोट देने से दूर रखने के लिए सांप्रदायिक दंगा करवाया। परिणामस्वरूप, कर्फ्यू लगा दिया गया। अखबारों में खबर छपी कि पीएसी के जवानों ने एक मुस्लिम इलाके में लूटपाट और मारपीट की है। मैंने तुरंत पूछताछ शुरू की। मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि ये पीएसी के जवान नहीं, बल्कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान थे जिन्होंने मुस्लिम इलाके में लूटपाट, संपत्ति को नष्ट करने और बूढ़ों–महिलाओं की पिटाई की थी। इससे पता चलता है कि सांप्रदायिक पूर्वाग्रह न केवल पीएसी के जवानों में, बल्कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में भी मौजूद हैं। जिस इलाके में मेरी बटालियन के जवान तैनात थे, वहाँ से ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली। मैंने अनुभव किया है कि निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों का व्यवहार मुख्यतः उच्च अधिकारियों के व्यवहार और रवैये पर निर्भर करता है। यदि उच्च अधिकारियों में जातिगत और सांप्रदायिक पूर्वाग्रह हैं, तो उनके अधीनस्थों में भी यही पूर्वाग्रह पनपने की संभावना है। मैंने व्यक्तिगत रूप से कई शीर्ष पुलिस अधिकारियों को खुलेआम अपने जातिगत और सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों का प्रदर्शन करते देखा है। निचले स्तर की तो बात ही छोड़िए, कई आईपीएस अधिकारी भी इतने कठोर प्रशिक्षण के बाद निचली जातियों और अन्य समुदायों के प्रति अपने रवैये में कोई बदलाव नहीं दिखाते। किसी व्यक्ति के दृष्टिकोण को बदलना सबसे कठिन काम है क्योंकि इसमें जड़ जमाए हुए पूर्वाग्रहों और पक्षपातों से मुक्ति पाने के लिए बहुत प्रयास की आवश्यकता होती है। सांप्रदायिक पूर्वाग्रह अक्सर तथाकथित आतंकवाद के मामलों में प्रदर्शित होते हैं जहाँ मुसलमानों को झूठे आरोपों में फंसाने की बहुत शिकायतें होती हैं। यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव भी है कि उच्च अधि ाकारियों के रोल मॉडल निचले रैंक के दृष्टिकोण और व्यवहार को बदलने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, 34 बटालियन पीएसी के कमांडेंट के रूप में मैंने अपने लोगों को लगातार जाति और सांप्रदायिक पूर्वाग्रहों से मुक्त रहने की जानकारी दी। 1992 के दौरान मेरे प्रयासों से बहुत अच्छे परिणाम मिले जब राम मंदिर आंदोलन पूरे जोरों पर था।

बिग बॉस 19 में जेमी लीवर का फुल ऑन एंटरटेनमेंट, सोशल मीडिया पर छाया प्रोमो

बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार एपिसोड में इस बार दर्शकों को भरपूर हंसी और एंटरटेनमेंट का जबरदस्त डोज मिला, जब मशहूर कॉमेडियन जॉनी लीवर की बेटी और स्टैंड–अप आर्टिस्ट जेमी लीवर शो में मेहमान बनकर पहुंचीं। अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और मिमिक्री स्किल्स से जेमी ने मंच पर ऐसा तहलका मचाया कि घरवाले ही नहीं, खुद सलमान खान भी हंसी रोक नहीं पाए। जेमी लीवर ने शो में फराह खान के अंदाज में एंट्री की और खुद को मजाकिया अंदाज में ठर्रा खान कहकर इंट्रोड्यूस किया। शो का प्रोमो वीडियो पहले ही सामने आ चुका था, लेकिन एपिसोड ऑन–एयर होते ही जेमी ने पूरे माहौल को हल्का–फुल्का और मजेदार बना दिया। उन्होंने फराह खान की बेबाक शैली की शानदार मिमिक्री करते हुए सभी कंटेस्टेंट्स की चुटकी ली और जमकर मस्ती की। जेमी की परफॉर्मेंस से इम्प्रेस होकर होस्ट सलमान खान ने भी उनकी खुले दिल से तारीफ की। उन्होंने कहा,"तुम्हारे पापा (जॉनी लीवर) तो लेजेंड हैं, लेकिन तुम भी कम नहीं हो... शायद उनसे भी ज्यादा टैलेंटेड हो।"सलमान की इस तारीफ के बाद जेमी भावुक हो गईं और दर्शकों ने भी जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। शो के दर्शकों ने सोशल मीडिया पर जेमी की एंट्री को ष्वीकेंड का वारष का सबसे एंटरटेनिंग मोमेंट बताया। हंसी–मजाक और मस्ती के बीच, वीकेंड का वार एक बड़ा मोड़ भी लेकर आया। इस हफ्ते जीशान कादरी, नीलम गिरी, मृदुल तिवारी, बसीर अली, अशनूर कौर और प्रणित मोरे नॉमिनेटेड थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सबसे कम वोट्स मिलने के चलते जीशान कादरी शो से बाहर हो गए हैं। जीशान का एलिमिनेशन जहां उनके फैंस के लिए निराशाजनक रहा, वहीं घर के कुछ सदस्यों जैसे अमाल मलिक, बसीर अली और शहबाज के लिए यह बड़ा झटका साबित हुआ। पिछले हफ्ते की कड़ी फटकार के बाद इस बार सलमान खान का अंदाज कुछ नरम और समझदारी भरा रहा। उन्होंने खासतौर पर तान्या मित्तल और नीलम गिरी से शांतिपूर्वक बातचीत की और उनके व्यवहार को लेकर कुछ

> अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और मिमिक्री स्किल्स से जेमी ने मंच पर ऐसा तहलका मचाया कि घरवाले ही नहीं, खुद सलमान खान भी हंसी रोक नहीं पाए। जेमी लीवर ने शो में फराह खान के अंदाज में एंट्री की और खुद को मजाकिया अंदाज में ठर्रा खान कहकर इंट्रोड्यूस किया।

जरूरी सलाहें दीं। सलमान ने घरवालों को याद दिलाया कि गेम जीतने के साथ–साथ इंसानियत बनाए रखना भी जरूरी है। जेमी लीवर की जबरदस्त परफॉर्मेंस और एक शॉकिंग एलिमिनेशन के बाद दर्शकों की उत्सुकता अब अगले हफ्ते के लिए बढ़ चुकी है। क्या अब घर में नए रिश्ते बनेंगे या पुरानी दुश्मनी और गहराएगी? क्या किसी वाइल्ड कार्ड की एंट्री होगी? और कौन बनेगा अगले हफ्ते का कैप्टन?

ससुर अमिताभ बच्चन के बर्थडे पर ऐश्वर्या राय ने किया पोस्ट तो यूजर्स ने फोटो पर उठाए सवाल, कहा–आराध्या अब बड़ी हो चुकी है

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने 11 अक्टूबर (शनिवार) को अपना 83वां जन्मदिन पूरे धूमधाम से मनाया। इस खास मौके पर फिल्म इंडस्ट्री के कई सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर उन्हें प्यार और शुभकामनाएं दीं। वहीं, उनके परिवार की ओर से भी खास पोस्ट देखने को मिले। उनकी बहू ऐश्वर्या राय बच्चन ने भी ससुर के बर्थडे पर सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। इस पोस्ट पर अब यूजर्स खूब रिएक्ट करते नजर आ रहे हैं। हालांकि ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन के रिश्ते को लेकर अक्सर मीडिया में खटपट की खबरें सामने आती रहती हैं, लेकिन दोनों ने कभी इन बातों पर सार्वजनिक रूप से रिएक्ट नहीं किया। इस बार भी ऐश्वर्या ने सारी अफवाहों को दरकिनार करते हुए अपने ससुर अमिताभ बच्चन के लिए एक प्यारा पोस्ट शेयर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा– हैप्पी बर्थडे प्यारे पा–दादाजी। आपको हमारा सारा प्यार और भगवान की हमेशा कृपा बनी रहे।"इसके साथ उन्होंने एक खूबसूरत पुरानी तस्वीर भी शेयर की, जिसमें अमिताभ बच्चन अपनी पोती आराध्या के साथ नजर आ रहे हैं। फोटो में छोटी आराध्या दादाजी को क्राउन पहनाते हुए दिख रही हैं और दोनों के चेहरों पर प्यारी मुस्कान झलक रही है।ऐश्वर्या का यह पोस्ट वायरल होते ही लोगों ने उस पर ढेरों कमेंट किए। कुछ ने उनकी भावनाओं की तारीफ की तो कुछ ने तंज भी कसे।एक यूजर ने लिखा– "आपके ससुरालवाले आपको कभी सोशल मीडिया पर विश नहीं करते, लेकिन आप हमेशा उन्हें बधाई देती हैं। ये आपकी सादगी है।"वहीं एक अन्य ने कहा– "हमेशा पुरानी तस्वीरें ही क्यों शेयर करती हैं? आराध्या अब बड़ी हो चुकी हैं, कोई नई फोटो क्यों नहीं?" अमिताभ बच्चन 83 साल के हो गए हैं। इस उम्र में भी एक्टर लगातार काम में एक्टिव हैं। वे फिल्मों, टीवी शोज और विज्ञापनों के जरिए दर्शकों से जुड़े हुए हैं। हाल ही में उन्होंने अपने लोकप्रिय शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' की मेजबानी के जरिए दर्शकों का दिल जीता।

पारंपरिक अंदाज में साले की शादी में रंग जमाने पहुंचे जूनियर एनटीआर, पत्नी संग निभाई रस्में

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर हाल ही में अपने साले नरने नितिन और लक्ष्मी शिवानी तल्लूरी की शादी अटैंड करने पहुंचे। यह भव्य पारंपरिक समारोह 10 अक्टूबर को हैदराबाद में आयोजित किया गया, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री और राजनीतिक जगत से कई दिग्गज हस्तियां मौजूद थीं। सोशल मीडिया पर इस रॉयल वेडिंग की तस्वीरें और वीडियो जमकर वायरल हो रहे हैं, जिनमें जूनियर एनटीआर अपने परिवार के साथ पूरे पारंपरिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस ग्रैंड वेडिंग में जूनियर एनटीआर अपनी पत्नी लक्ष्मी प्रणति और दोनों बेटों के साथ पहुंचे। इस दौरान एक्टर ने गोल्डन कलर का कुर्ता–पायजामा और ऑफ–व्हाइट शिमरी प्रिंस कोट पहना, जबकि उनकी पत्नी लक्ष्मी प्रणति ने मैचिंग गोल्डन साड़ी में खूबसूरत दिखीं। वायरल हुए वीडियोज में जूनियर एनटीआर को रस्मों में हिस्सा लेते, नवविवाहित जोड़े पर फूल बरसाते और उन्हें आशीर्वाद देते हुए देखा जा सकता है। एक और प्यारा पल कैमरे में कैद हुआ जब जूनियर एनटीआर अपने बेटे भार्गव को छेड़ते हुए नजर आए। वे मजाकिया अंदाज में बेटे के गालों को खींचते हैं और फिर भाग जाते हैं, जिसके बाद भार्गव अपनी मां से हंसते हुए शिकायत करता है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है और फैंस एनटीआर के इस पारिवारिक रूप को देखकर भावुक हो रहे हैं। जूनियर एनटीआर को हाल ही में 'वॉर 2' में देखा गया, जिसमें वे ऋतिक रोशन के साथ नजर आए। अब जूनियर एनटीआर अपनी अगली बिग–बजट फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसे प्रशांत नील डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल की शुरुआत में शुरू हो चुकी है और इसे 25 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

वरुण धवन भी 'नो एंट्री 2' को कहा अलविदा, मेकर्स की बढ़ी मुसीबत

'नो एंट्री 2' शुरू से ही चर्चा का विषय रही है। शुरुआत में, यह पहले भाग में मुख्य भूमिकाओं वाले कलाकारों की जगह नए कलाकारों के आने के कारण सुर्खियों में रही, और अब यह इसलिए चर्चा में है क्योंकि कलाकार इस प्रोजेक्ट से बाहर हो रहे हैं। हालिया घटनाक्रमों पर आई खबरों के अनुसार, ऐसा लग रहा है कि निर्माताओं को और कलाकारों को लाने के बारे में सोचना होगा, क्योंकि वरुण धवन ने 'नो एंट्री 2' से अपना नाम वापस ले लिया है। उनका यह कदम पंजाबी गायक–अभिनेता दिलजीत दोसांझ के इस साल की शुरुआत में फिल्म छोड़ने के बाद आया है। दोनों पहले 2005 की हिट फिल्म के अगले भाग में अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ काम करने वाले थे। मिड डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, शेड्यूल में टकराव के कारण कलाकारों में बड़ा फेरबदल हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिलजीत के जाने से टीम के लिए चीज़ें थोड़ी जटिल हो गई हैं, क्योंकि इस प्रोजेक्ट में पहले ही मूल कलाकारों में बड़े बदलाव हो चुके थे। अनीस बज़्मी द्वारा निर्देशित और बोनी कपूर द्वारा निर्मित यह फिल्म अब अर्जुन के साथ काम करने के लिए नए कलाकारों की तलाश कर रही है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, अब वरुण की भ्भेड़िया 2श के लिए तारीखें तय हो गई हैं। हम नए संयोजनों पर विचार कर रहे हैं। अर्जुन अभी भी पूरी तरह से तैयार हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि वरुण की कार्य प्रतिबद्धताएँ उन्हें कम से कम 2026 के मध्य तक व्यस्त रखेंगी। यही कारण है कि निर्माता अब कथित तौर पर दो नए मुख्य कलाकारों की तलाश कर रहे हैं। बोनी ने पहले एक साक्षात्कार में दिलजीत के जाने की पुष्टि की थी। एनडीटीवी के साथ बातचीत में, उन्होंने कहा, ष्हाँ, हम अच्छे मूड में अलग हुए हैं क्योंकि तारीखें हमारी ज़रूरतों के अनुरूप नहीं थीं; उम्मीद है कि हम जल्द ही साथ में एक पंजाबी फिल्म करेंगे।ष पंजाबी गायक का व्यस्त कार्यक्रम, जिसमें उनका अंतर्राष्ट्रीय ऑरा टूर भी शामिल है, कथित तौर पर फिल्म की शूटिंग की समय–सीमा से टकरा रहा था। निर्माताओं ने पहले सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान को पहली फिल्म से ही बरकरार रखने की कोशिश की थी। हालाँकि, ऐसा नहीं हो पाया। अभी तक, वरुण ने अपने जाने की खबरों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वह हाल ही में जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा घ्घ्और रोहित सराफ के साथ श्सनी संस्कारी की तुलसी कुमारीश में नज़र आए थे। वह अगली बार 'बॉर्डर 2' और 'है जवानी तो इश्क होना है' में दिखाई देंगे।

अभिषेक बच्चन ने जीता फिल्मफेयर अवॉर्ड 2025, बोले-ये सपना था जो अब पूरा हुआ

फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर चुके अभिषेक बच्चन के लिए 70वां फिल्मफेयर अवॉर्ड्स बेहद खास साबित हुआ। अभिषेक को उनकी 2024 की चर्चित फिल्म 'आई वांट टू टॉक' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। यह सम्मान उन्होंने कार्तिक आर्यन के साथ साझा किया, जिन्हें यह पुरस्कार 'चंदू चौंपियन' के लिए मिला। पहली बार बेस्ट एक्टर का खिताब जीतने के बाद अभिषेक भावुक नजर आए और उन्होंने दिल से स्पीच दी, जो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। अवॉर्ड लेने के बाद स्टेज पर स्पीच देते हुए अभिषेक बच्चन काफी इमोशनल हो गए। उन्होंने कहा,"इस साल फिल्म इंडस्ट्री में मेरे 25 साल पूरे हो गए हैं और मुझे नहीं याद कि मैंने इस पुरस्कार के लिए कितनी बार स्पीच तैयार की है। यह एक सपना रहा है और मैं आज बहुत भावुक और खुश हूं। अपने परिवार के सामने मेरा सपना पूरा हुआ है।"अभिषेक ने आगे कार्तिक आर्यन की ओर इशारा करते हुए कहा, कार्तिक वहां तक जाओ जब तक सपना पूरा न हो। उन्होंने मुझे बोलने पर मजबूर कर दिया ये सोचकर कि मैं इमोशनल नहीं होऊंगा।"इस खास मौके पर अभिषेक की मां और दिग्गज अभिनेत्री जया बच्चन भी मौजूद थीं। अवॉर्ड लेने से पहले अभिषेक ने स्टेज पर जाकर अपनी मां के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद जया बच्चन उन्हें गले लगाते हुए खुशी से मुस्कुराती नजर आईं। जब अभिषेक अपनी स्पीच दे रहे थे, तब जया बच्चन गर्व और खुशी से तालियां बजा रही थीं। यह भावुक पल दर्शकों के लिए बेहद खास था।अभिषेक बच्चन ने अपने भाषण में पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन और बेटी आराध्या बच्चन का खासतौर पर जिक्र किया। उन्होंने कहा "ऐश्वर्या और आराध्या, मुझे बाहर जाकर अपने सपनों को पूरा करने का मौका देने के लिए शुक्रिया। मुझे उम्मीद है कि यह पुरस्कार जीतकर वे समझेंगी कि उनके त्याग ही आज मुझे यहां तक लाए हैं।"अभिषेक ने बताया कि उनकी फिल्म 'आई वांट टू टॉक' एक पिता और बेटी के रिश्ते पर आधारित है और उन्होंने यह पुरस्कार अपने असली जीवन के दो हीरोज कृ अपने पिता (अमिताभ बच्चन) और बेटी आराध्या को समर्पित किया।"मैं यह अवॉर्ड अपने हीरो, अपने पापा और मेरी दूसरी हीरो, मेरी बेटी को समर्पित करता हूं।" हालांकि ऐश्वर्या और आराध्या इस इवेंट में नजर नहीं आईं, लेकिन अभिषेक की बातों से यह साफ था कि उनके दिल में परिवार के लिए खास जगह है। अभिषेक बच्चन ने इंडस्ट्री में 2000 में रिफ्यूजी फिल्म से डेब्यू किया था और पिछले 25 वर्षों में उन्होंने कई यादगार किरदार निभाए हैं। हालांकि, ये पहला मौका है जब उन्हें फिल्मफेयर द्वारा बेस्ट एक्टर का पुरस्कार मिला है। यह उपलब्धि उनके लिए ही नहीं, बल्कि बच्चन परिवार के लिए भी बेहद गर्व की बात रही। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की यह भावुक शाम सोशल मीडिया पर छा गई है। जया बच्चन का अपने बेटे को गले लगाना, अभिषेक का ब्लैक ट्रॉफी को निहारना और उनका इमोशनल स्पीच कृ ये सभी पल लोगों को भावुक कर रहे हैं। फैंस, सेलेब्स और इंडस्ट्री के लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं और कह रहे हैं कि यह अवॉर्ड वह पहले ही डिजर्व कर चुके थे।

लड़कियां अनचाहे गर्भ से बचने के लिए करती हैं इन चीजों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल

हर महिला के जीवन में मां बनना एक खूबसूरत अनुभव होता है। लेकिन कभी–कभी परिस्थितियां ऐसी होती हैं जब महिला या कपल माता–पिता बनने के लिए तैयार नहीं होते। ऐसे में सही जानकारी और सही तरीका अपनाना बेहद जरूरी होता है, ताकि शरीर को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे और स्वास्थ्य सुरक्षित रहे।

अनचाहा गर्भ क्या है?

जब बिना योजना या तैयारी के गर्भ ठहर जाता है, तो उसे अनचाहा गर्भ कहा जाता है। इस स्थिति में कई महिलाएं घरेलू नुस्खे या गलत उपायों का सहारा लेती हैं, जो शरीर के लिए खतरनाक हो सकते हैं। इसलिए सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि गर्भ रोकने या गिराने के लिए डॉक्टर की सलाह लेना ही सबसे सुरक्षित उपाय है।

महिलाएं अनचाहे गर्भ से बचने के लिए क्या–क्या करती हैं?

कॉफी पीना

कुछ महिलाएं मानती हैं कि ज्यादा कॉफी पीने से शरीर का तापमान बढ़ता है और गर्भपात हो सकता है। लेकिन यह दावा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं है। ज्यादा कैफीन शरीर में असंतुलन और दिल की धड़कन बढ़ा सकता है, पर गर्भपात की संभावना बहुत कम होती है। इसलिए कॉफी को गर्भनिरोधक उपाय के रूप में इस्तेमाल करना गलत है।

कच्चा पपीता

कई पुराने घरेलू नुस्खों में कहा जाता है कि कच्चा पपीता खाने से गर्भपात हो सकता है। दरअसल, पपीते में मौजूद पेपेन नामक एंजाइम गर्भाशय की दीवार पर असर डाल सकता है, लेकिन इसका सेवन अक्सर शरीर के लिए हानिकारक होता है। अगर इससे गर्भपात नहीं होता तो अधूरा गर्भपात, खून बहना या संक्रमण जैसी गंभीर दिक्कतें हो सकती हैं।

तिल का पानी या बीज

कुछ महिलाएं मानती हैं कि तिल का पानी पीने से गर्भपात हो सकता है। हालांकि, इसमें कोई चिकित्सकीय प्रमाण नहीं है। तिल पोषण से भरपूर होता है लेकिन गर्भपात के लिए इसका उपयोग खतरनाक साबित हो सकता है, खासकर अगर गर्भ पहले से कुछ हफ्तों का हो चुका हो।

गर्म पानी पीना

कुछ महिलाएं अत्यधिक गर्म पानी पीती हैं ताकि शरीर का तापमान बढ़े और गर्भ गिर जाए। लेकिन यह तरीका न तो प्रभावी है और न ही सुरक्षित। अत्यधिक गर्म पानी पीने से डिहाइड्रेशन, पेट की तकलीफ और आंतरिक नुकसान हो सकता है।

सोयाबीन के दाने

कई बार महिलाएं सोयाबीन को रात में भिगोकर सुबह खाली पेट खाती हैं, यह सोचकर कि इससे गर्भ नहीं ठहरेगा या गर्भपात हो जाएगा। लेकिन ऐसा कोई प्रमाण मौजूद नहीं है। सोयाबीन में मौजूद फाइटोएस्ट्रोजेन हार्मोन पर हल्का असर डाल सकता है, पर यह गर्भ रोकने का तरीका नहीं है।

घरेलू नुस्खे क्यों खतरनाक हैं?

इनसे अधूरा गर्भपात हो सकता है, जिससे खून बहना और संक्रमण बढ़ सकता है।

कई बार गर्भाशय को स्थायी नुकसान हो सकता है।

कुछ मामलों में यह जीवन के लिए भी खतरा बन जाता है।

क्या करें अगर अनचाहा गर्भ ठहर जाए?

अगर किसी कारणवश अनचाहा गर्भ ठहर गया है, तो सबसे पहले घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। शांत मन से सही कदम उठाना सबसे जरूरी होता है। ऐसे समय में किसी भरोसेमंद स्त्री रोग विशेषज्ञ से तुरंत संपर्क करें। डॉक्टर आपकी उम्र, सेहत और गर्भ की अवधि को देखकर सुरक्षित मेडिकल पिल या अन्य चिकित्सीय विकल्प सुझा सकते हैं। ध्यान रहे, खुद से किसी भी घरेलू नुस्खे या दवा का प्रयोग करना खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे शरीर को स्थायी नुकसान या संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए कोई भी कदम उठाने से पहले हमेशा डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

भविष्य में गर्भधारण रोकने के सुरक्षित उपाय

कंडोमः यौन रोगों और गर्भ दोनों से सुरक्षा देता है।

गर्भनिरोधक गोलियांः नियमित रूप से ली जाएं तो प्रभावी होती हैं।

कॉपर टी या आईयूसीडीः लंबी अवधि के लिए सुरक्षित तरीका है।

इमरजेंसी पिल्सः 72 घंटे के भीतर ली जाएं, पर बार–बार उपयोग से बचें।

महिलाओं को अनचाहे गर्भ से बचने या उसे गिराने के लिए घरेलू उपायों की बजाय सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके अपनाने चाहिए। अपनी सेहत से समझौता कभी न करें और हर स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेना ही सबसे सही कदम है।

आंखों के नीचे काले घेरे या डार्क सर्कल्स एक आम समस्या है, जो न केवल आपकी खूबसूरती को प्रभावित करते हैं, बल्कि थकान और तनाव का संकेत भी होते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे नींद की कमी, तनाव, उम्र बढ़ना, आनुवांशिक प्रभाव, या लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना। हालांकि, कुछ आसान घरेलू नुस्खों का प्रयोग कर आप इन काले घेरों को हल्का कर सकते हैं और अपनी त्वचा को फिर से चमकदार बना सकते हैं।

काले घेरों को हल्का करने के घरेलू नुस्खे

अगर आप आंखों के नीचे के काले घेरे से परेशान हैं, तो नीचे दिए गए नुस्खे आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं।

खीरा

खीरे में त्वचा को ठंडक और आराम देने वाले गुण होते हैं। एक खीरे को पतले स्लाइस में काट लें और इन्हें 10–15 मिनट तक फ्रिज में रखें। ठंडे स्लाइस को अपनी आंखों के ऊपर रखें और 10–15 मिनट तक आराम से बैठें। रोजाना इस प्रक्रिया को दोहराने से आपको जल्दी असर दिखेगा।

आलू का रस

आलू में ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो काले घेरों को हल्का कर सकते हैं। एक कच्चे आलू को कद्दूकस करें और उसका रस निकाल लें। कॉटन बॉल की मदद से इस रस को आंखों के नीचे लगाएं और 10–15 मिनट के लिए छोड़ दें। ठंडे पानी से धो लें और इसे नियमित रूप से करें।

टी बैग्स

टी बैग्स में टैनिन्स होते हैं, जो आंखों के आसपास सूजन और काले घेरों को कम करने में मदद करते हैं। उपयोग किए गए टी बैग्स को फ्रिज में ठंडा करें। ठंडे टी बैग्स को आंखों के ऊपर 10–15 मिनट के लिए रखें। इससे न केवल काले घेरे हल्के होंगे, बल्कि आंखों को ठंडक भी मिलेगी।

गुलाब जल

गुलाब जल त्वचा को ठंडक और ताजगी प्रदान करता है। कॉटन बॉल को गुलाब जल में भिगोकर आंखों के नीचे लगाएं। 10–15 मिनट के बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें। रोज इस्तेमाल से काले घेरे कम हो सकते हैं।

बादाम का तेल

बादाम के तेल में विटामिन ई होता है, जो त्वचा को पोषण देने के साथ काले घेरों को हल्का करता है। हर रात सोने से पहले आंखों के नीचे हल्के हाथों से बादाम का तेल लगाएं और धीरे–धीरे मालिश करें। सुबह चेहरे को साफ पानी से धो लें। नियमित प्रयोग से फर्क नजर आएगा।

काले घेरे होने के कारण

1. नींद की कमी पर्याप्त नींद न लेने से त्वचा की रक्त वाहिकाएं साफ दिखने लगती हैं, जिससे डार्क सर्कल्स बनते हैं।

2. तनाव अत्यधिक तनाव शरीर के हॉर्मोनल बैलेंस को बिगाड़ता है, जिसका प्रभाव त्वचा पर पड़ता है।

4. अधिक स्क्रीन टाइम लंबे समय तक टीवी, कंप्यूटर या मोबाइल स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव पड़ता है, जिससे काले घेरे बनते हैं।

5. शरीर में पानी की कमी हाइड्रेशन की कमी से त्वचा रूखी हो जाती है और काले घेरे अधिक स्पष्ट दिखने लगते हैं।

काले घेरों से बचने के उपाय

1. पर्याप्त नींद लें हर दिन 7–8 घंटे की पर्याप्त नींद लें, ताकि आंखों के आसपास की त्वचा को आराम मिले।

2. हाइड्रेट रहें दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि त्वचा नमी से भरपूर रहे।

3. संतुलित आहार विटामिन बी, ई और एंटीऑक्सीडेंट युक्त आहार लें, जो त्वचा को पोषण प्रदान करता है।

4. स्क्रीन टाइम कम करें आंखों को बार–बार आराम दें और लगातार स्क्रीन देखने से बचें।

आंखों के नीचे के काले घेरे न केवल आपकी सुंदरता को प्रभावित करते हैं, बल्कि यह आपकी दिनचर्या और स्वास्थ्य का भी संकेत हो सकते हैं। ऊपर दिए गए घरेलू नुस्खे नियमित रूप से आजमाने से आपको काले घेरों में कमी महसूस होगी और त्वचा फिर से ताजगी और चमक पाने लगेगी। इसके साथ ही, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और पर्याप्त नींद लेना भी बेहद जरूरी है ताकि इस समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा पाया जा सके।

बालों को ध्यान न रखने से कई समस्याएं उत्पन्न होने लगती है। बालों में ऑयल लगाना भी काफी जरुरी होता है। अपने बालों के हिसाब से हेयर ऑयल को जरुर खरीदें। आजकल ज्यादातर लोग लड़की या लड़का ऑर्गेनिक उत्पादों का प्रयोग जरुर करते हैं।

अगर आप बालों की केयर करेंगे तो आपके हेयर्स काफी हेल्दी रहते है। अपने हेयर्स के टाइप के अनुसार ही तेल का इस्तेमाल करना चाहिए। आजकल मार्केट में ऑर्गेनिक उत्पादों का चलन बढ़ गया है। ऑर्गेनिक शैंपू, कंडीशनर, सीरम आदि प्रोडक्ट की मांग काफी बढ़ गई है। लंबे और चमकदार बाल पाने के लिए ज्यादातर महिलाएं नेचुरल चीजों और हेयर प्रोडक्ट्स यूज कर रही हैं। आज हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे तरीके जो आपके हेयर ऑयल के लिए बेस्ट है।

अपना हेयर टाइप जानें

हेयर्स की देखभाल के लिए जरुरी है कि सही हेयर ऑयल चुना जाए। इसके लिए आपको अपने बालों के प्रकार के बारे में जानना काफी जरुरी है। सीधे, कर्ली या लहरदार बालों के लिए भी अलग–अलग तेल आने लगे हैं। दरअसल, सीधे बालों के लिए आर्गन और जोजोबा जैसे हल्के तेल अच्छे हैं। लेकिन घुंघराले और लहराते बालों के लिए नारियल, बादाम और अरंडी का तेल उपयोगी है।

बालों में कोई समस्या तो नहीं

ध्यान रखें कि तेल का चयन करते समय अपने बालों की समस्या के अनुसार ही खरीदें। अगर आपको बालों को बढ़ाना है तो आरंडी या हिबिस्कस ऑयल लगाएं। बालों के झड़ने पर पामेटो मिलाए गए तेल का प्रयोग करें।

पोषक तत्व का जरुर ध्यान रखें

जब आप हेयर ऑयल खरीदने जाते हैं तो आप उसके पोषक तत्वों को जरुर देखें। गौरतलब है कि प्राकृतिक और जैविक तेलों में कोई कैमिकल नहीं होता लेकिन फिर आप इसे जरुर देखें।

2–3 हफ्तों तक तेल लगाएं

जब आप तेल लगाते हैं तो इतनी जल्दी रिजल्ट नहीं मिलता। इसलिए कोई भी तेल को 2–3 हफ्तों में आजमाएं। अगर आपके बालों में कोआ असर दिखता है तो यानी वो तेल काम कर रहे है। यदि कोई असर न दिखें तो आप तेल को बदल सकते हैं।

साउथ इंडिया सबसे फेमस डिश है डोसा। ज्यादातर लोगों को डोसा खाना बहुत पसंद आता है। आमतौर पर हर घरों में डोसा बनाया जाता है। लेकिन क्या आप ने कभी इस तरह के डोसा खाएं है क्या? आप भी घर पर बना सकते हैं 10 प्रकार से डोसा। इन्हें बनाना भी काफी आसान है। डोसा को आप किसी भी समय खा सकते हैं।

दक्षिण भारत का सबसे फेमस डोसा कई सारे लोगों को खाना खूब पसंद होता है। पूरे भारत में डोसा का स्वाद हर भारतीय के अंदर रच–बस गया है। ज्यादातर घरों में इसे बनाया जाता हैं। इस लेख में हम आपको 10 प्रकार के डोसा बनाने का तरीका बताएंगे, जिसे आप झटपट से बना लेंगे। जो इस डोसा को चखेगा, वह आपसे रेसिपी जरुर पूछेगा। आइए जानते आप डोसा को कितनी प्रकार से बना सकते हैं।

यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानें

मसाला डोसा

सबसे ज्यादा मसाला डोसा खाया जाता है। यह क्लासिक और सबसे लोकप्रिय डोसा। आलू की भरवन और तड़के से बना यह डोसा सभी को खूब पसंद आता है। मसाला डोसा को लोग घर में भी बनाते हैं। इसे हर कोई पसंद करता है।

मेदु वड़ा डोसा

क्या आप ने कभी मेदु वड़ा वाला डोसा खाया है। मेदु वड़ा और डोसा का अनूठा कॉम्बिनेशन। इसे डोसा को बनाना बेहद आसान है। इसके लिए आपको ज्यादा कुछ नहीं करना। मेदु वड़े को डोसे के अंदर भरकर बनाया जाता है। इसे आप घर पर जरुर ट्राई करें।

पनीर टिक्का डोसा

पनीर टिक्का वाला डोसा शायद ही आप ने खाया होगा। यह कॉम्बिनेशन आपको जरुर पसंद आएगा। इसे बनाने के लिए आपको पनीर टिक्का मसाले में मैरीनेट किया हुआ पनीर डोसे के साथ सर्व किया जाता है।

वेजिटेबल डोसा

अगर आप हेल्थ को लेकर सजग रहते हैं, तो यह वेजिटेबल डोसा आपके लिए काफी हेल्दी साबित होगा। यह डोसा सेहत और स्वाद के लिए भी लाजवाब होगा। डोसे के बैटर में आप अपनी पसंद की कटी हुई सब्जियां मिला सकते हैं।

चटनी डोसा

यह डोसा बनाना काफी आसान है। इस डोसे में डोसे के बैटर में ही चटनी मिलाई जाती है। आप अपने पसंद की कोई भी चटनी जैसे नारियल की चटनी, धनिया चटनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कुरकुरा मसाला डोसा

अगर आपको कुरकुरा डोसा खाना बेहद पसंद है, तो आप इसे खा सकते हैं। यह कुरकुरा, हल्का और मुलायम होता है। इसमें मसालेदार आलू भरे होते हैं। इसे आप नारियल की चटनी, सांबर, केचप के साथ खा सकते हैं।

रागी डोसा

सेहत के फ्रिकमंद लोग रागी का डोसा बेहद पसंद आएगा। यह स्वाद के साथ ही काफी हेल्दी होता है। रागी डोसा को रागी के आटे, दही, पानी या छाछ को मिलाकर इसे बनाया जाता है।

सेट डोसा

इसे डोसा का नाम आपने शायद ही सुना होगा। सेट डोसा को स्पोंज डोसा भी कहा जाता है। यह चावल, उड़द दाल, मेथी के बीज और पोहे से बनाया जाता है। यह गाढ़ा, मुलायम और फूला हुआ होता है।

चीज डोसा

आज के समय में ज्यादातर लोग आपको चीज लवर मिल जाएंगे। चीज प्रेमियों के लिए यह डोसा काफी परफेकट है। इसे बना भी काफी आसान है। बस आपको डोसा बनाकर उसके ऊपर से खूब सारा चीज डालना है और पिघलने तक पकाएं।

प्लेन डोसा

यह डोसा तो सभी ने खाया होगा। इसे बनाना भी काफी आसान होता है। प्लेन डोसा चावल और उड़द की दाल से बना पतला और क्रिस्पी होता है। इसे आमतौर पर सांबर और नारियल की चटनी के साथ परोसा जाता है।

संक्षिप्त

8 महीने के निचले स्तर पर रिटेल महंगाई, खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से घटकर 1.54प्रतिशत पर आई

13 अक्टूबर को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर महीने में खुदरा मुद्रास्फीति पिछले महीने के 2.07 प्रतिशत से घटकर 1.54 प्रतिशत हो गई, जिसका मुख्य कारण सब्जियों और दालों सहित खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी रही। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति सितंबर 2024 में 5.49 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने एक बयान में कहा कि सितंबर 2025 के दौरान मुख्य मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट मुख्य रूप से अनुकूल आधार प्रभाव और सब्जियों, तेल और वसा, फलों, दालों और उत्पादों, अनाज और उत्पादों, अंडे, ईंधन और प्रकाश की मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण है। सितंबर 2025 के दौरान वर्ष-दर-वर्ष खाद्य मुद्रास्फीति (-) 2.28 प्रतिशत रही, जबकि अगस्त में यह (-) 0.64 प्रतिशत और पिछले वर्ष सितंबर में 9.24 प्रतिशत थी। अक्टूबर की अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति में, रिज़र्व बैंक ने 2025-26 के लिए अपने मुद्रास्फीति अनुमान को अगस्त के 3.1 प्रतिशत के अनुमान से घटाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया। वित्त वर्ष की दूसरी छमाही के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान के बारे में, आरबीआई ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की अच्छी प्रगति, खरीफ की अच्छी बुवाई, पर्याप्त जलाशय स्तर और खाद्यान्नों के पर्याप्त बफर स्टॉक से खाद्य कीमतों को नरम बनाए रखने में मदद मिलेगी। मुद्रास्फीति में गिरावट ने भारतीय रिज़र्व बैंक को बड़ी राहत दी है। हाल ही में, अक्टूबर में अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान, त्ठप् ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने मुद्रास्फीति पूर्वानुमान को अगस्त में अनुमानित 3.1 प्रतिशत से घटाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया। दक्षिण-पश्चिम मानसून की अच्छी प्रगति, खरीफ फसल की बुवाई में वृद्धि, जलाशयों में पर्याप्त जल स्तर और खाद्यान्न का अच्छा भंडार खाद्य कीमतों को नियंत्रण में रखने में मदद करेगा। विश्लेषकों का मानना ध्है कि मुद्रास्फीति में यह उल्लेखनीय गिरावट त्ठप् को भविष्य में नीतिगत दरों पर नरम रुख अपनाने की अधिक गुंजाइश प्रदान कर सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा मिलेगा।

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटकर 88.77 प्रति डॉलर पर

अमेरिकी मुद्रा में व्यापक मजबूती से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ पांच पैसे टूटकर 88.77 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया अपने सर्वकालिक निम्न स्तर के आसपास घूम रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.75 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 88.77 पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 88.72 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.93 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 451.82 अंक फिसलकर 82,049 अंक पर और निफ्टी 109.55 अंक लुढ़कर 25,175.80 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 63.67 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 459.20 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट

सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका के एक नवंबर से चीन की वस्तुओं पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा के बाद वैश्विक बाजारों में गिरावट आई है। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 451.82 अंक फिसलकर 82,049 अंक पर और एनएसई निफ्टी 109.55 अंक टूटकर 25,175.80 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा मोटर्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा स्टील, इन्फोसिस, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, मारुति और इटर्नल के शेयर लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 63.66 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 459.20 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

अगले हफ्ते IPO बाज़ार रहेगा सुस्त, टाटा कैपिटल और : इलेक्ट्रॉनिक्स की लिस्टिंग पर निगाहें

आने वाले हफ्ते में शेयर बाजार में आईपीओ की रफ्तार थोड़ी धीमी रहने वाली है। इस दौरान मुख्य बोर्ड पर सिर्फ एक नया इश्यू खुलेगा, जबकि कुछ चल रहे इश्यू अपने आखिरी चरण में पहुंच चुके हैं। निवेशकों की नजर इस हफ्ते टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की लिस्टिंग पर टिकी हुई हैं, जो क्रमशः सोमवार और मंगलवार को शेयर बाजार में आएंगी। मौजूदा जानकारी के अनुसार, मिडवेस्ट लिमिटेड का घ्451 करोड़ का आईपीओ इस हफ्ते का मुख्य आकर्षण रहेगा। यह इश्यू बुधवार, 15 अक्टूबर से खुलेगा। कंपनी ने इसका प्राइस बैंड घ्1,014 से घ्1,065 प्रति शेयर तय किया है। इसमें घ्250 करोड़ का फ्रेश इश्यू और घ्201 करोड़ का ऑफर फॉर सेल (ब्वै) शामिल है। एक लॉट में 14 शेयर होंगे, और खुदरा निवेशक के लिए न्यूनतम निवेश राशि घ्14,910 रखी गई है। बता दें कि मिडवेस्ट देश की सबसे बड़ी ब्लैक गैलेक्सी और एब्सोल्यूट ब्लैक ग्रेनाइट बनाने वाली कंपनी है। इस इश्यू के लिए डैम कैपिटल एडवाइजर्स, मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स और इंटेंसिव फिस्कल सर्विसेज लीड मैनेजर हैं, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज इसका रजिस्ट्रार है।

23 साल बाद भारत में वेस्टइंडीज के ओपनर का शतक, छक्का लगाकर पहली सेंचुरी लगाने वाले 5वें कैरिबियाई

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल ने आखिरकार अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ दिया। भारत के खिलाफ खेली गई इस यादगार पारी में उन्होंने अपनी 50वीं टेस्ट पारी में यह उपलब्धि हासिल की। यह पारी वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए कई पुराने रिकॉर्ड तोड़ने वाली साबित हुई। कैंपबेल वेस्टइंडीज के फॉलोऑन के दौरान तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए। जडेजा ने उन्हें एल्बीडब्ल्यू आउट किया। उन्होंने 199 गेंद में 12 चौके और तीन छक्कों की मदद से 115 रन बनाए। कैंपबेल ने शाई होप के साथ तीसरे विकेट के लिए 294 गेंद में 177 रन की साझेदारी निभाई।

छक्के से पूरा किया शतक

कैंपबेल ने अपना पहला टेस्ट शतक बेहद यादगार अंदाज में पूरा किया। भारत के गेंदबाज रवींद्र जडेजा की गेंद पर उन्होंने शानदार स्लॉग स्वीप शॉट खेला, जो लॉन्ग ऑन पर छक्के के लिए गया। उन्होंने अपना शतक छक्के से पूरा किया और मैदान में तालियों की गूंज के बीच हेलमेट उतारकर ड्रेसिंग रूम की ओर देखा, जहां साथी खिलाड़ी खड़े होकर उनका अभिवादन कर रहे थे।

छक्के से पहला शतक पूरा करने वाले कैरिबियाई

जॉन कैंपबेल अब उन चुनिंदा वेस्टइंडीज बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने छक्के के साथ अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया है।

खिलाड़ीः कॉलिन्स किंग, रॉबर्ट सैमुअल्स, रिडली जैकब्स, शेन डॉवरिच, जॉन कैंपबेल

कैंपबेल ने दो साल का सूखा खत्म किया

मार्च 2023 के बाद यह पहला मौका है जब किसी वेस्टइंडीज के ओपनर ने टेस्ट मैच में शतक बनाया। कैंपबेल ने लगभग दो साल का सूखा खत्म करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। वहीं, भारत के खिलाफ 19 साल बाद किसी वेस्टइंडीज ओपनर का शतक है। भारत के खिलाफ किसी कैरिबियाई सलामी बल्लेबाज ने पिछली बार 2006 में शतक बनाया था। तब डैरेन गंगा (135 रन, बैसेटेरे) ने शतक बनाया था। अब 19 साल बाद, जॉन कैंपबेल ने यह दुर्लभ उपलब्धि दोहराई।

भारत में 23 साल बाद कैरिबियाई ओपनर का शतक

भारत की धरती पर वेस्टइंडीज के किसी ओपनर ने पिछली बार 2002 में ईडन गार्डन्स (कोलकाता) में वेवेल हाइंड्स के रूप में शतक बनाया था। अब 23 साल बाद, कैंपबेल ने भारत में यह नया इतिहास रच दिया।

सबसे ज्यादा पारियां खेलकर पहला टेस्ट शतक

जॉन कैंपबेल ने अपने करियर की 50वीं पारी में पहला शतक बनाया। यानी वेस्टइंडीज के इतिहास में यह किसी ओपनर के लिए अपने पहले टेस्ट शतक के लिए सबसे लंबा इंतजार था। इससे पहले यह रिकॉर्ड डैरेन गंगा के नाम था।

ब्रेथवेट के अलावा किसी ओपनर का बड़ा शतक

कैंपबेल ने एक और दिलचस्प रिकॉर्ड अपने नाम किया। वे पहले वेस्टइंडीज के ओपनर (क्रेग ब्रेथवेट को छोड़कर) बने जिन्होंने किसी बांग्लादेश या जिम्बाब्वे के अलावा टीम के खिलाफ शतक जड़ा। यह रिकॉर्ड पिछली बार क्रिस गेल (150 रन बनाम न्यूजीलैंड, जुलाई 2012, नॉर्थ साउंड) के नाम था।

संघर्ष और क्लास की मिसाल

जॉन कैंपबेल ने भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ निडर होकर बल्लेबाजी की और अपनी तकनीक से सबको प्रभावित किया। उनकी यह पारी वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए नई उम्मीद और स्थिरता लेकर आई है। खासकर ओपनिंग पोजिशन पर, जहां लंबे समय से भरोसेमंद बल्लेबाज की कमी थी।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली का खुलासा, बोलीं- रणनीति से बदली मैच की दिशा

विशाखापत्तनम। विशाखापत्तनम में खेले गए महिला वनडे विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को तीन विकेट से हराकर 331 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा किया। इस जीत की नायिका रहीं कप्तान एलिसा हीली, जिन्होंने मात्र 107 गेंदों में 142 रन की शानदार और मैच जिताऊ पारी खेली। मैच के बाद हीली ने बताया कि उनकी टीम ने भारतीय तेज गेंदबाजों को निशाना बनाने की विशेष रणनीति अपनाई थी, जो अंततः पूर्ण रूप से सफल साबित हुई।

तेज गेंदबाजों को निशाना बनाना ही था सही फैसला

हीली ने कहा कि उन्होंने पिच की प्रकृति को जल्दी समझ लिया था। हीली ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगा कि बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी को पिच से काफी मदद मिल रही थी। वह गेंदबाजों में सबसे प्रभावी थीं। इसलिए हमने सोचा कि अगर हमें रन बनाने हैं, तो तेज गेंदबाजों पर अटैक करना होगा। उन्होंने कहा, श्यह कोई पूर्व-निर्धारित रणनीति नहीं थी, लेकिन हमने हालात देखकर फैसला लिया और उसी पर अमल किया। नतीजा हमारे पक्ष में गया।

भारतीय गेंदबाजों की सीमित विकल्पों वाली रणनीति का फायदा उठाते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने क्रांति गौड़ और अमनजोत कौर पर जमकर रन बटोरे। गौड़ ने 9 ओवर में 73 रन, जबकि कौर ने 9 ओवर में 68 रन लुटाए। इससे भारत की पांच गेंदबाजों वाली प्लानिंग पूरी तरह से असफल हो गई। दिलचस्प बात यह रही कि क्रांति गौड़ ने पिछले महीने की सीरीज में एलिसा हीली को तीनों मैचों में आउट किया था, लेकिन इस मैच में हीली ने उनके खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए उनकी गेंदों पर चौकों-छक्कों की बौछार कर दी। हीली ने मुस्कुराते हुए कहा, मुझे पता था कि क्रांति ने पहले मुझे कई बार आउट किया है। इसलिए इस बार मैंने उसे हावी होने का मौका नहीं दिया।

पहले गेंदबाजी का फैसला था जोखिम भरा था

हीली ने माना कि मैच की शुरुआत में उन्हें अपने टॉस के फैसले पर संदेह हुआ था। उन्होंने कहा, जब स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल बल्लेबाजी कर रही थीं, तो लगा कि हमने गलती कर दी है, लेकिन हमारे गेंदबाजों ने बीच और आखिरी ओवरों में शानदार वापसी की। पूरी गेंदबाजी इकाई ने डटकर मुकाबला किया। ऑस्ट्रेलिया की यह जीत न केवल विश्व कप अभियान के लिए बड़ी राहत साबित हुई, बल्कि यह रणनीति और मानसिक मजबूती का बेहतरीन उदाहरण भी बनी। वहीं भारत को अब अपने गेंदबाजी संयोजन और रणनीति पर दोबारा विचार करना होगा, खासकर जब बात बड़े स्कोर की रक्षा करने की आती है।

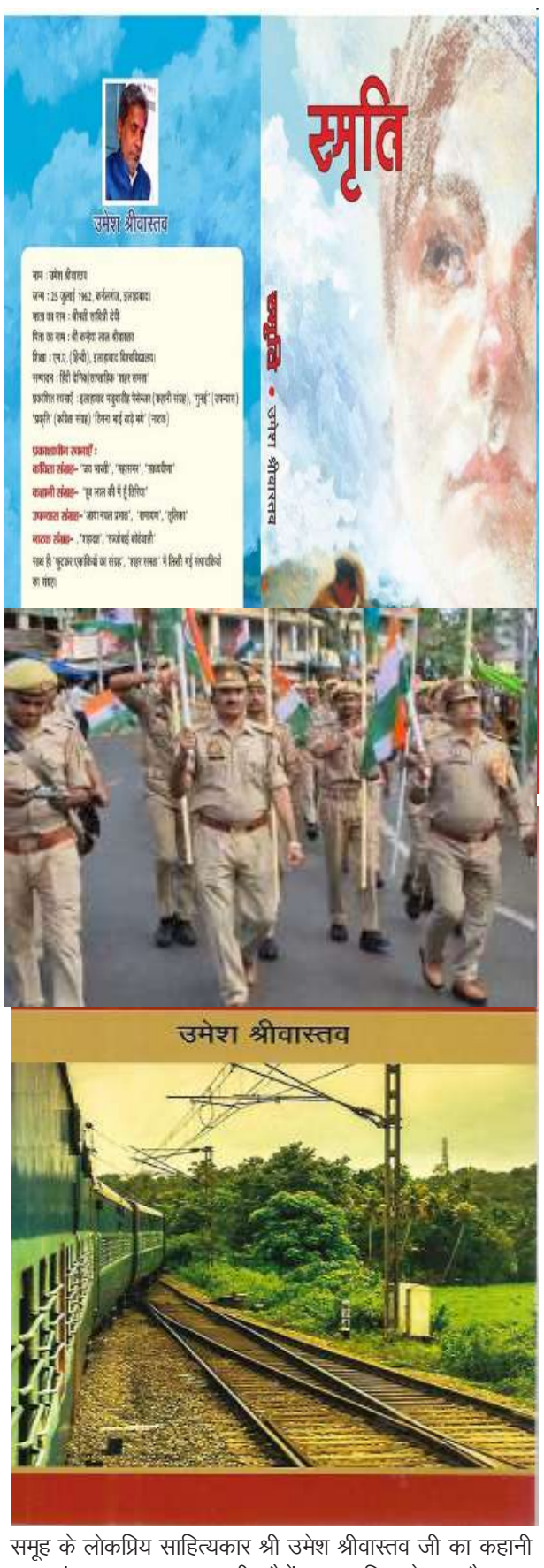

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

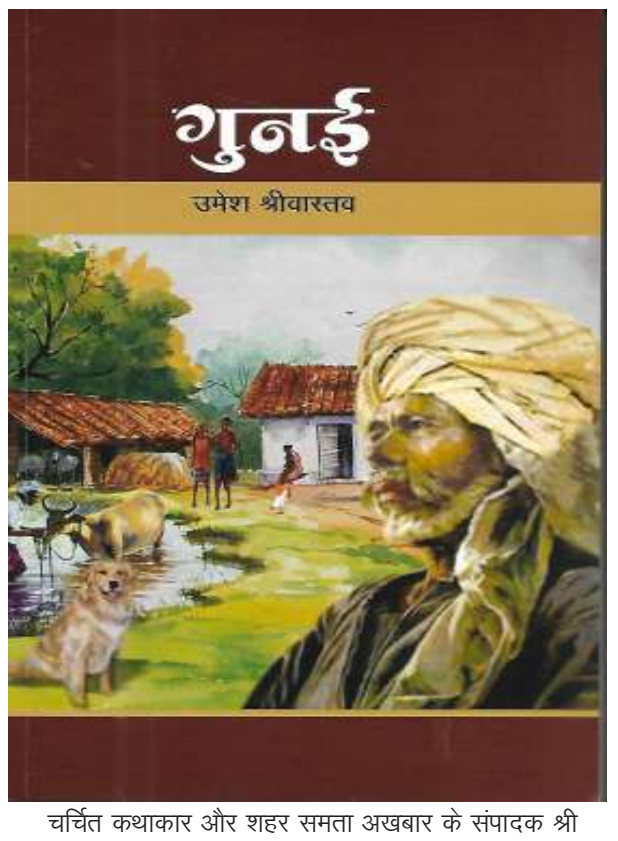

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

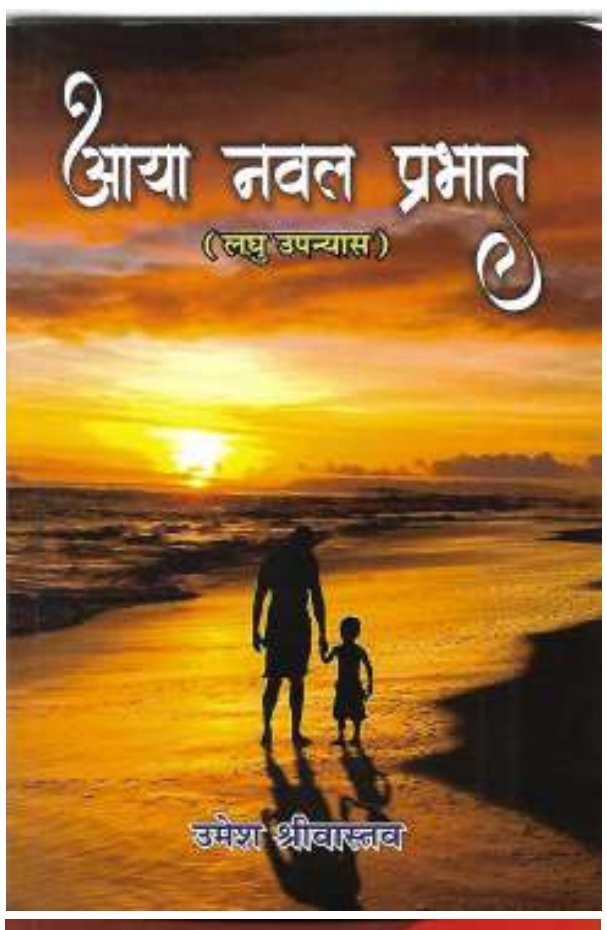

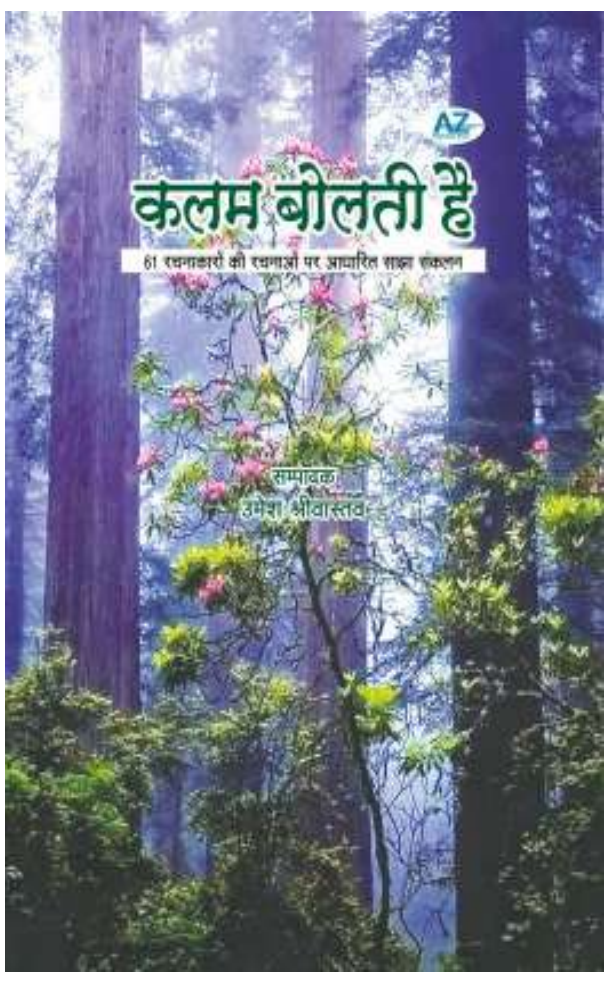

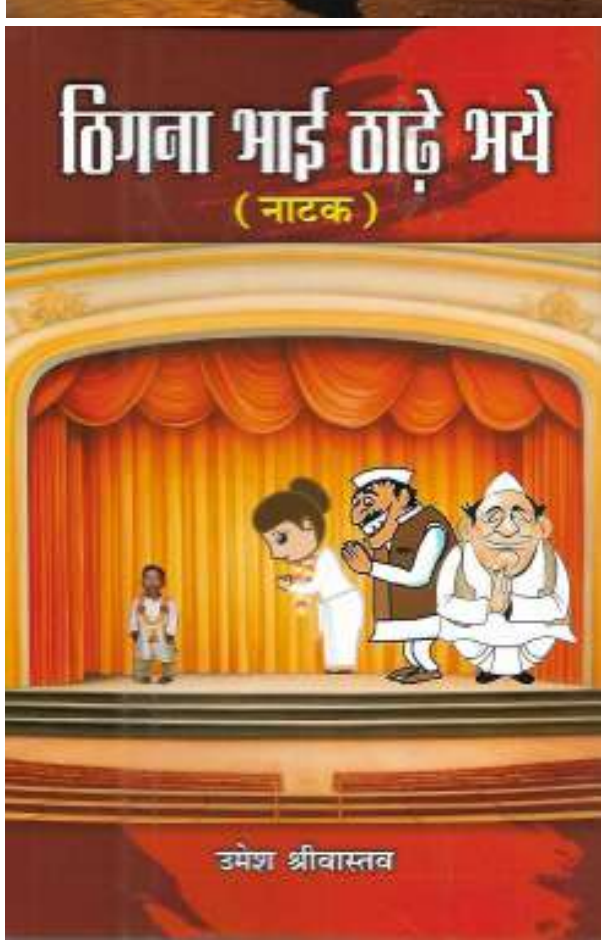

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप के पास चीन से ज्यादा ऑप्शंस, वेंस ने बीजिंग को चेताया, ट्रंप ने जिनपिंग का बुरा दौर बताया

टैरिफ़ को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को व्यापार समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने के लिए खुलेपन का संकेत दिया। हालाँकि, दोनों नेताओं ने चेतावनी दी कि बीजिंग द्वारा हाल ही में घोषित निर्यात नियंत्रण वार्ता में एक बड़ी बाधा हैं। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दुनिया की दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध

में चीन से तर्क का रास्ता चुनने का आह्वान किया। वेंस ने आगे दावा किया कि दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध के लंबे समय तक जारी रहने के बीच व्यापार वार्ता में ट्रंप का प्रभाव ज़्यादा है। वेंस के इस बयान के कुछ ही घंटों बाद, ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथसोशल पर एक बयान साझा किया, जिसमें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए संभावित ऑफ–रैंप का संकेत दिया गया, साथ ही एक परोक्ष धमकी भी दी गई कि एक पूर्ण व्यापार युद्ध चीन को नुकसान पहुँचाएगा। उन्होंने रविवार को पोस्ट में लिखा कि चीन की चिंता मत करो, सब ठीक हो जाएगा! राष्ट्रपति शी जिनपिंग का हाल ही में एक बुरा दौर आया है। वह अपने देश के लिए मंदी नहीं चाहते, और न ही मैं। अमेरिका चीन की मदद करना चाहता है, उसे नुकसान नहीं पहुँचाना चाहता। ट्रम्प और वेंस दोनों की टिप्पणियों से यह प्रतिबिंबित हुआ कि अमेरिका अभी भी चीन पर उसके हालिया व्यापारिक कदमों को वापस लेने के लिए दबाव बनाए रखना चाहता है, साथ ही भयभीत बाजारों को आश्वस्त करने का प्रयास कर रहा है कि जैसे को तैसा वाली कार्रवाई अपरिहार्य नहीं है। ट्रंप द्वारा चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के तुरंत बाद, शुक्रवार को शेयर, तेल और क्रिप्टोकरेंसी पर असर पड़ा। यह तनाव चीन द्वारा दुर्लभ मृदा निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बाद ट्रंप की धमकी से शुरू हुआ। वेंस ने कहा कि यह एक नाजुक दौर होगा, और यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि चीन कैसी प्रतिक्रिया देता है।

इजराइल–हमास युद्धविराम के बाद ट्रंप इजराइल पहुंचे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को इजराइल पहुंचे। दो साल के युद्ध के बाद अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम के तहत हमास द्वारा इजराइल के बंधकों को रिहा करने के साथ इसकी शुरुआत हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक 'एयर फोर्स वन' विमान सुबह नौ बजकर 42 मिनट पर बेन–गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। विमान तेल अवीव के 'होस्टेजेज स्क्वायर' के ऊपर से गुजरा, जहां हजारों लोग जमा थे। हमास द्वारा रिहा किए गए पहले सात बंधकों के गाजा से इजराइल पहुंचने के ठीक बाद ट्रंप का विमान इजराइल पहुंचा। वहीं, इजराइल भी 1,900 से अधिक फलस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा।

रोक दिए रास्ते, खाना हो गया बंद, बॉर्डर छोड़ भाग रही सेना, पाकिस्तान पर ऐसे तो हो जाएगा तालिबान का राज

जब से अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत आए हैं, तभी से ही पाकिस्तान हैरान–परेशान नजर आ रहा है। पाकिस्तान को इस बात की मिर्ची लगी है और भारत–अफगान दोस्ती उसे हजम नहीं हो रही है। जैसे ही मुत्ताकी भारत आए पाकिस्तान ने काबुल पर हमला कर दिया। अब अफगानिस्तान वो देश नहीं रहा जो एक वक्त पर पाकिस्तान की बातें माना करता था। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। पाकिस्तान अपने सहयोगी देशों के सामने मदद की गुहार लगा रहा है। अफगानिस्तान ने घर में घुसकर पाकिस्तान की सेना को मारा है। अफगानी लड़ाकों ने पाकिस्तान की कई चौकियों पर कब्जा कर लिया है। पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मारने का दावा करने वाले तालिबान ने अपने जिन आठ इलाकों से पाकिस्तान पर हमला किया था, उनमें से एक ने तो पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। अफगानिस्तान ने अपने इस एक इलाके से भयंकर तरीके से तबाही मचाई है। अफगान और पाकिस्तान के बॉर्डर पर तालिबान का पख्तीका प्रांत है। पाकिस्तान भी आज तक न तो अफगानिस्तान के इस रणनीतिक इलाके में घुस पाया है और न ही तोड़ निकाल पाया है। ये प्रांत पाकिस्तान के तीन अलग अलग जिलों से बॉर्डर शेयर करता है और यही पाकिस्तान के खिलाफ अफगानिस्तान की सबसे बड़ी ताकत भी है। पाकिस्तान अफगान के बीच नया संघर्ष शनिवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 10 बजे शुरू हुआ जब अफ़ग़ानिस्तान के तालिबान बलों ने अपनी साझा सीमा पर पाकिस्तानी सैनिकों पर हमले शुरू कर दिए। इसे उन्होंने गुरुवार को ष्काबुल पर पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए हवाई हमलों का बदलाष बताया। इस्लामाबाद ने सीधे तौर पर इन हमलों की ज़िम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन उसने बार–बार बढ़ते आतंकवाद से अपनी रक्षा करने के अपने अधिकार की बात कही है, जिसके बारे में उसका कहना है कि इसकी योजना अफ़ग़ान धरती से बनाई जा रही है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पाकिस्तान पर 8 तरफ से भीषण हमले, बीच में कूदे सऊदी और कतर

जो कभी दूसरे के घरों को आग लगाने का काम करता था। आज वही पाकिस्तान का घर चारो तरफ से धुंआ–धुंआ हो गया है। पाकिस्तान पर टीटीपी के हमले के बाद अब अफगानिस्तान की तरफ से ऐसा वार हुआ है जिसने पाकिस्तान की जमीन और आसमान दोनों को छीन लिया है। पाकिस्तान पर टीटीपी के हमले के बाद अब अफगानिस्तान ने भी भीषण हमला कर दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद ये पाकिस्तान पर दूसरा बड़ा हमला है। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर आठ जगहों से हमला किया है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा यानी डूरंड लाइन पर अफगानी सेना ने अभी से दीवाली मनानी शुरू कर दी है। अफगानिस्तान ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मार दिया है। पाकिस्तान के तीन सैनिकों को अगवा कर लिया है। जबकि 25 पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर लिया गया है। ये पाकिस्तान पर बहुत बड़ा अटैक है। पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के इस भीषण हमले के बाद सऊदी अरब और कतर के भी बयान सामने आए हैं, जिसे सुनकर पाकिस्तान के होश उड़े हुए हैं। कुछ दिन पहले से पाकिस्तान सऊदी अरब और कतर का नाम लेकर हवा में कुछ ज्यादा ही उड़ रहा था। लेकिन अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को जमीन पर पटक दिया है। सबसे दिलचस्प ये है कि सऊदी अरब ने कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान के साथ एक डील करते हुए कहा था कि पाकिस्तान पर हमला हम पर भी हमला माना जाएगा। लेकिन अब तो अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर हमला कर दिया है। ऐसे में सऊदी अरब जो बात बोलकर भागा है वो सभी को हैरान कर देगा। अफगानिस्तान की सेना लगातार पाकिस्तान की तरफ बढ़ रही है। ऐसा लग रहा है मानो अब भारत के बाद अफगानिस्तान भी आसिम मुनीर को दूसरा प्रमोशन दिलवा कर रहेगा। सऊदी अरब और कतर ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर संघर्ष पर चिंता व्यक्त की तथा दोनों पक्षों से संयम बरतने और तनाव कम करने के लिए बातचीत करने का आग्रह किया। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने 11 दिसंबर को कहा कि सऊदी अरब इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान और अफगानिस्तान राज्य के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव और झड़पों पर चिंता व्यक्त करता है। कतर के विदेश मंत्रालय ने तनाव बढ़ने और क्षेत्र की सुरक्षा एवं स्थिरता पर इसके संभावित प्रभावों पर चिंता व्यक्त की। इसने दोनों पक्षों से बातचीत, कूटनीति और संयम को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। पाकिस्तान अफ़ग़ान अधिकारियों पर प्रतिबंधित समूह तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सदस्यों को पनाह देने का आरोप लगाता है, जिसके बारे में इस्लामाबाद का कहना है कि वह पाकिस्तान के अंदर घातक हमले करता है। काबुल इस आरोप से इनकार करता है और ज़ोर देकर कहता है कि वह अपनी ज़मीन का इस्तेमाल दूसरे देशों के खलिाफ़ नहीं होने देगा। टीटीपी, जो एक अलग समूह है, लेकिन पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा अफ़ग़ान तालिबान का सहयोगी माना जाता है, 2000 के दशक के उत्तरार्ध से पाकिस्तान में हुए कुछ सबसे घातक हमलों के पीछे रहा है।

संसद में तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ट्रंप का स्वागत, स्पीकर बोले- नोबेल पुरस्कार के लिए करेंगे समर्थन

यरूशलम। गाजा में युद्धविराम के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में हैं। ट्रंप सोमवार को इस्राइली संसद पहुंचे, जहां सदस्यों ने खड़े होकर तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान स्पीकर अमीर ओहाना ने कहा कि उनका देश अगले साल ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार दिलाने के लिए समर्थन देगा। उन्होंने कहा कि इस्राइल दुनियाभर के स्पीकर और नेताओं को एकजुट करेगा, ताकि वे ट्रंप को अगले साल नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित कर सकें। वहीं, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बंधकों की रिहाई को लेकर ट्रंप की सराहना की। नेतन्याहू ने नेसेट (इस्राइली संसद) में अपने भाषण में ट्रंप की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ट्रंप के प्रस्ताव ने हमास के साथ युद्ध खत्म कर दिया। नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप का प्रस्ताव युद्ध को समाप्त कर चुका है और हमारे सभी लक्ष्य पूरे हो गए हैं। मैं इस शांति के प्रति प्रतिबद्ध हूं।

मिस्र में आयोजित शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे नेतन्याहू

इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने पुष्टि की कि नेतन्याहू आज मिस्र में होने वाले सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। उनके कार्यालय ने एक्स पर एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री नेतन्याहू को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आज मिस्र में हो रहे सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। बयान में आगे कहा गया, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप को उनके निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन कहा कि वह त्योहार के शुरू के नजदीक होने की वजह से सम्मेलन में भाग नहीं ले पाएंगे।

मारिया कोरीना मचाडो को 2025 नोबेल शांति पुरस्कार, विवाद और आलोचना का सामना

वेनजुएला की मारिया कोरीना मचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। बता दें कि मचाडो को उनके देश में लोकतंत्र की रक्षा और तानाशाही के खिलाफ संघर्ष के लिए सम्मानित किया गया, लेकिन उनके समर्थकों और आलोचकों के बीच इस पुरस्कार को लेकर बहस तेज हो गई है। गौरतलब है कि मचाडो वेनेजुएला के प्रमुख लोकतंत्र समर्थक आंदोलन की प्रमुख शख्सियत हैं और उन्होंने हाल के वर्षों में नागरिक साहस का प्रतीक बनकर दिखाया है। नोबेल पुरस्कार समिति ने उन्हें शांति पुरस्कार देने के पीछे यह कारण बताया कि उन्होंने वेनेजुएला में लोकतंत्र की मशाल जलाए रखी और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए संघर्ष किया। समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वाटने फ्राइडनेस ने कहा कि मचाडो ने खतरे के बावजूद अपने देश में रहकर लाखों लोगों को प्रेरित किया और यह दिखाया कि लोकतंत्र के साधन शांति के साधन भी हो सकते हैं। हालांकि, मचाडो को लेकर आलोचना भी तेज है। मौजूद जानकारी के अनुसार, उनके पुराने सोशल मीडिया पोस्ट्स में उन्होंने इजराइल और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिकुड पार्टी का समर्थन किया था। कई आलोचक उनका यह समर्थन गाज़ा में इजरायली हवाई हमलों और कथित नरसंहार के साथ जोड़कर देख रहे हैं। कुछ पोस्ट्स में मचाडो ने कहा था, "वेनेजुएला की लड़ाई इजराइल की लड़ाई है," और उन्होंने यह भी कहा कि अगर वे सत्ता में आती हैं तो वे वेनेजुएला का दूतावास तेल अवीव से यरुशलम स्थानांतरित करेंगी। बता दें कि आलोचक यह भी बता रहे हैं कि मचाडो ने 2020 में लिकुड पार्टी के साथ सहयोग दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए थे। नार्वे के विधायक ब्जॉर्नर मोक्सनेस ने कहा कि गाज़ा में हिंसा के समय लिकुड पार्टी जिम्मेदार है, इसलिए नोबेल पुरस्कार का यह निर्णय शांति की भावना के अनुरूप नहीं है। अमेरिकी मुस्लिम नागरिक अधिकार संगठन काउंसिल ऑन अमेरिकन–इस्लामिक रिलेशंस ने भी इसे "अस्वीकार्य" निर्णय बताया और समिति से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की। मचाडो को लेकर एक और विवाद

यह है कि उन्होंने वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के शासन के खिलाफ विदेशी हस्तक्षेप का आह्वान किया था। 2018 में उन्होंने इजराइल और अर्जेंटीना के नेताओं को पत्र भेजकर कहा था कि वे उनके देश में तानाशाही को हटाने में सहयोग करें। उन्होंने इस पत्र की एक प्रति ऑनलाइन भी साझा की थी। कुल मिलाकर, मौजूदा जानकारी के अनुसार, मचाडो का नोबेल शांति पुरस्कार विवादों और आलोचनाओं के बीच आया है, जिसमें उनके राजनीतिक रुख और विदेशी हस्तक्षेप की मांग को लेकर बहस चल रही हैं।

तालाब के लिए प्रस्तावित सरकारी जमीन पर कई लोगों की नजर, रात के अंधेरे में जमीन कब्जाने की कोशिश

कोरबा। नगर पालिका निगम कोरबा के वार्ड संख्या 36 में तालाब के लिए प्रस्तावित सरकारी जमीन पर कई लोगों की नजर लगी हुई है। स्थानिय जनता ने अब तक जमीन को बचाकर रखा हुआ है। लोगों की शिकायत है कि रात के अंधेरे में कई अज्ञात लोग यहां राखड़ डंप कर जमीन कब्जाने में लगे हैं। लोगों ने प्रशासन से इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की है। कोरबा में रिसदी वार्ड के अंतर्गत डिंगापुर में कम्युनिटी हॉल के पास का यह वह इलाका है, जहां पर अवैध कब्जा करने का काम अज्ञात लोगों के द्वारा किया जा रहा है। जबकि स्थानीय लोगों ने अपनी जरूरत के लिए यहां तालाब बनाना प्रस्तावित किया है। महिलाओं ने कहां कि उन्हें इस जमीन पर केवल तालाब चाहिए और कुछ नहीं। वार्ड में रहने वाली फूलमती ने बताया कि पिछले कई वर्षों से यहां तालाब बनवाने के लिए बस्ती वासियों ने प्रस्ताव रखा था, जहां इस सरकारी जमीन को तालाब के लिए संरक्षित किया गया है। रातों–रात जमीन दलालों के द्वारा राख और मिट्टी डंपकर अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा था, जहां विरोध कर वाहन चालकों को मौके से भगाया गया। सावित्रीबाई ने बताया कि एक दिन पहले ही यहां गड्ढे थे, लेकिन रातों–रात रखड़ मिट्टी कौन कहां से आया और डंप दिया है। यह कब्जा करने की नीयत से किया गया है, जिसका बस्तीवासी विरोध कर रहे हैं। क्षेत्र के पार्षद अजय गोड ने बताया कि यहां पर तालाब निर्माण के लिए मंत्री से लेकर प्रशासन के पास प्रस्ताव भेज दिया गया है। निर्माण के लिए पर्याप्त जमीन है। अवैध कब्जा करने के मामले में जो लोग सक्रिय हैं। वह सामने नहीं आ रहे हैं। लगभग एक एकड़ जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।

गाजा में युद्धविराम से पाकिस्तान में क्यों मचा कोहराम, कट्टरपंथी संगठन टीएलपी के चीफ को लगी गोली

पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने मुरीदके में तहरीक–ए–लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के प्रदर्शनकारियों पर रात भर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की, जिसके बाद हिंसक झड़पें हुईं और कई प्रदर्शनकारी मारे गए और घायल हुए। पार्टी प्रमुख साद हुसैन रिज़वी के नेतृत्व में लाहौर से आगे बढ़ रहे इस्लामी समूह के मार्च पर सुरक्षा बलों ने लाठीचार्ज किया और आँसू गैस के गोले छोड़े।हिंसक झड़पों में ज्स्च् प्रमुख साद रिजवी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पाकिस्तान के अधिकारियों और फिलिस्तीनियों के समर्थन में मार्च कर रहे हजारों प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में एक पुलिस अधिकारी सहित कम से कम

पांच लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य अधिकारी घायल हो गए। पंजाब पुलिस प्रमुख उस्मान अनवर ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर गोलियां चलाईं, जिसमें एक अधिकारी की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने से पहले हुई झड़पों में तीन प्रदर्शनकारियों और एक राहगीर की भी मौत हो गई। यह मार्च राजनीतिक दल तहरीक–ए–लब्बैक पाकिस्तान या टीएलपी द्वारा आयोजित किया गया था, जिसने एक बयान में कहा कि रैली में शामिल सैकड़ों लोग घायल हुए और हताहतों की संख्या उसके समर्थकों में ज़्यादा थी।

टीएलपी द्वारा सोमवार को जारी किए गए वीडियो में कई वाहनों को जलते हुए दिखाया गया है, जिसमें पार्टी के पदाधिकारियों को ले जा रहा एक ट्रक भी शामिल है, जो ष्लॉन्ग मार्चष का नेतृत्व कर रहे थे। यह मार्च शुक्रवार को पूर्वी पाकिस्तान में शुरू हुआ था और प्रदर्शनकारी लाहौर से राजधानी इस्लामाबाद की ओर मार्च करने की योजना बना रहे थे। इस मार्च के परिणामस्वरूप अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसा हुई है।

पुलिस ने शनिवार को एक विरोध प्रदर्शन के दौरान 100 से ज़्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। ताज़ा झड़पें तब शुरू हुईं जब प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा सड़कें अवरुद्ध करने के लिए रखे गए शिपिंग कंटेनरों को हटाने की कोशिश की।

समर्थकों की लाहौर में पुलिस से झड़प हुई और बाद में मार्च फिर से शुरू करने से पहले उन्होंने पास के मुरीदके कस्बे में डेरा डाल दिया। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक अन्य वीडियो में कई वाहनों को जलते हुए दिखाया गया है, जिनमें टीएलपी कार्यकर्ताओं को ले जा रहा एक ट्रक भी शामिल है, जो शुक्रवार को पूर्वी पाकिस्तान में शुरू हुए ष्लॉन्ग मार्चष का नेतृत्व कर रहे थे।

इस मार्च के परिणामस्वरूप अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसा हुई है, और पुलिस ने शनिवार को एक विरोध प्रदर्शन के दौरान 100 से ज़्यादा लोगों को गिरफ़्तार किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।